मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 65
शनिवार, 13 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

लोगों को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा, इसीलिए लगाया जा रहा टैरिफ : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत पर टैरिफ इस डर से लगाया गया है कि अगर यह देश मजबूत हो गया तो उनके साथ क्या हो सकता है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ऐसे कदम आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम हैं।

वह नागपुर में ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, दुनिया के लोग इस बात से भयभीत हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनके साथ क्या होगा और उनकी स्थिति क्या होगी। इसीलिए भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाए गए हैं। लेकिन हमने कुछ नहीं किया। जब आप सात समुद्र दूर हैं और कोई संपर्क नहीं है, तो डर क्यों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी शामिल है। भारत ने इसे अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया है।

भागवत ने कहा, जब तक मनुष्य और राष्ट्र अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक वे समस्याओं का सामना करते रहेंगे। अगर हम करुणा दिखाएं और भय पर विजय पाएं, तो हमारा कोई शत्रु नहीं रहेगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर मनुष्य अपना रवैया मैं से हम में बदल लें तो सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। उन्होंने कहा, आज दुनिया समाधान खोज रही है, क्योंकि अपनी अधूरी दृष्टि के कारण वह आगे बढ़ने का रास्ता नहीं खोज पा रही है।

सिर्फ.मैं के दृष्टिकोण के कारण उनके लिए रास्ता खोजना असंभव है। भागवत ने कहा कि भारत विश्व की समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने और आगे का रास्ता दिखाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत महान है और भारतीयों को भी महान बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बड़ा है तथा वह और बड़ा होना चाहता है। भागवत ने कहा कि भारतीयों में अपनेपन की प्रबल भावना होती है और वे अभाव के समय में भी खुश और संतुष्ट रहते हैं। उन्होंने कहा, कोई कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन अगर है भी, तो समय आने पर बदल जाएगी। फिर भी, कठिनाई और दुःख में भी, यहां के लोग इसी अपनत्व की भावना के कारण संतुष्ट रहते हैं। महिलाओं द्वारा संचालित आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस भी आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए उन्हीं की तरह काम करता है।

सुप्रीम कोर्ट में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर लगा प्रतिबंध, मीडियाकर्मियों के लिए भी नए नियम जारी

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने अपने परिसर की सुरक्षा कड़ी करते हुए एक बड़ा आदेश जारी किया है। शीर्ष अदालत परिसर के उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में अब फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पूरी तरह से प्रतिबंधित है। 10 सितंबर को जारी एक सर्कुलर में सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में फोटो लेने या वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश सर्वोच्च न्यायालय की सुरक्षा तथा प्रतिदिन शीर्ष न्यायालय परिसर में आने वाले लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। 10 सितंबर को जारी एक परिपत्र में सर्वोच्च न्यायालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उच्च-

सुरक्षा क्षेत्र में फोटो लेने या वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं होगी। नए नियमों में विशेष रूप से तस्वीरें या वीडियो लेने के लिए मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक है, जबकि कैमरे, ट्राइपॉड और सेल्फी स्टिक का भी इस्तेमाल वर्जित है।

आदेश में आगे कहा गया है कि पत्रकारों को केवल निम्न-सुरक्षा क्षेत्र के लॉन में ही साक्षात्कार और लाइव प्रसारण करने की अनुमति होगी। इन नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी वकील, वादी, प्रशिक्षु या विधि लिपिक पर बार एसोसिएशन या संबंधित राज्य बार काउंसिल द्वारा कार्रवाई की जाएगी। मीडिया कर्मियों के लिए, उल्लंघन करने पर एक महीने तक के लिए उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के रजिस्ट्री कर्मचारियों और अन्य विभागीय कर्मचारियों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी, और उनकी ओर से नियमों का उल्लंघन करने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

अरुणाचल के सुदूर सीमावर्ती गांवों का वीवीपी के तहत विकास होगा : खांडू

अरुणाचल प्रदेश, 12 सितम्बर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र की प्रमुख योजना जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वीवीपी) के तहत राज्य के सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा रहा है।

खांडू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, परिवर्तनकारी जीवंत ग्राम कार्यक्रम के तहत, अरुणाचल प्रदेश के सुदूर गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं।

कार्यक्रम के पहले चरण के तहत किए जा रहे कार्यों का विस्तृत विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 11 सीमावर्ती जिलों में 455 प्राथमिकता वाले गावों की विकास कार्यों के लिए पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा, कुल 125 गांवों में 1,022 किलोमीटर लंबी 105 सड़कें बनाई जाएंगी। इसके अलावा, 156 गांवों को 104.99 करोड़ रुपये की 187 विकास परियोजनाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुदूर इलाकों में रोशनी के लिए 6,000 से अधिक स्ट्रीट लाइट लगवा रही है और लघु एवं सूक्ष्म जलविद्युत से जुड़ी 50 परियोजनाएं स्थापित कर रही है।

खांडू ने कहा कि इस साल अप्रैल में शुरू हुए दूसरे चरण में 122 और गांव शामिल होंगे, जिनमें भारत-म्यांमा सीमा से सटे 67 और भारत-भूटान सीमा से सटे 55 गांव हैं। उन्होंने कहा, इन जगहों को बारहमासी सड़कें, 4जी दूरसंचार और टीवी कनेक्टिविटी के साथ बिजली की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस साल अप्रैल में वित्त वर्ष 2024-25 से 2028-29 के लिए जीवंत ग्राम कार्यक्रम-2 को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि गृह मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश में इस कार्यक्रम के लिए 2,205 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

एसआईटी रिपोर्ट में विस्फोटक खुलासे, देश के खिलाफ काम कर रहे गिरोह की ओर इशारा : हिमंत शर्मा

असम, 12 सितम्बर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनके परिवार के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच करने वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में विस्फोटक खुलासे हैं और यह देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और नीचा दिखाने के लिए काम कर रहे एक गिरोह की ओर इशारा करती है।

मुख्यमंत्री ने यहां बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के कार्यक्रम से इतर कहा, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह एक बेहद विस्फोटक रिपोर्ट है। यह एक तरह का गिरोह है जो हमारे देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम और उसे नीचा दिखाने के लिए काम कर रहा था।

उन्होंने कहा, उस गिरोह में एक पाकिस्तानी नागरिक और कांग्रेस सांसद की ब्रिटिश पत्नी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईटी टीम ने हमारे देश की संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करने वाले कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

उन्होंने कहा कि एक बार कैबिनेट इस पर चर्चा कर ले, तो हम आम जनता के लिए रिपोर्ट जारी करेंगे और आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी फैसला करेंगे। शर्मा ने कहा, पहले रिपोर्ट पर चर्चा करना और फिर आगे की कार्रवाई पर फैसला लेना कैबिनेट का विशेषाधिकार है।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रधानमंत्री का राज्य का दो दिवसीय दौरा और 22 सितंबर को बीटीसी चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम रिपोर्ट को लेकर कोई नाटक नहीं करना चाहते, क्योंकि सरकार टीआरपी के लिए काम नहीं करती। हम इस

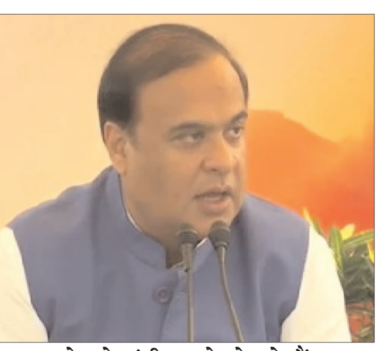

मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरी प्रक्रिया का पालन करेंगे।

विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व वाली एसआईटी ने बुधवार शाम मुख्यमंत्री को औपचारिक रूप से रिपोर्ट सौंप दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शर्मा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से अपने पद का मजाक उड़ाया है और उनके शब्दों की विश्वसनीयता खत्म हो गयी है। इस पर शर्मा ने कहा कि मीडिया ने उन्हें नायक बना दिया है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर बॉडी डबल (हूबहू दिखने वाले व्यक्ति) का इस्तेमाल किए जाने के बारे में शर्मा ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में सारी जानकारियां दे दी थीं।

सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात

डॉ. प्रो. दयानंद तिवारी
नई दिल्ली (उत्तरशक्ति)। 10 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी से वर्तमान सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज (विहंगम योग) की शिष्टाचार भेंट सम्पन्न हुई। यह भेंट सौहार्द, सम्मान और शुभेच्छाओं के आदान-प्रदान से परिपूर्ण रही।

सद्गुरु महाराज ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने देश की रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में साहसपूर्ण और निर्णायक कदम उठाए हैं, भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए हैं, तथा वैश्विक मंचों पर भारत की गरिमा और गौरव को अभूतपूर्व ऊँचाई प्रदान की है। इसके लिए सद्गुरुदेव ने उन्हें

साधुवाद दिया तथा राष्ट्र और समाज की निरंतर उन्नति के लिए शुभकामनाएँ प्रकट की और साधुवाद दिया।

भेंट के दौरान प्रधानमंत्री ने विहंगम योग संस्थान और स्वर्वेद महामंदिर धाम के कार्यों के प्रति विशेष रुचि व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं अनेक अतिविशिष्ट व्यक्तित्वों से स्वर्वेद महामंदिर धाम की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री की सराहना और प्रेरणा के फलस्वरूप वे विशिष्ट व्यक्ति वास्तव में धाम पर पधारे और वहाँ की अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने महामंदिर की विशेषताओं के विषय में और अधिक जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज की कश्मीर से कन्याकुमारी तक की व्यापक भारत-यात्रा के विषय में विशेष रुचि से जानकारी ली और इस राष्ट्रीय यात्रा के महत्व को रेखांकित किया।

वर्तमान सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज ने विहंगम योग द्वारा देश और विदेश में चलाए जा रहे आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी प्रयासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न अपने अमेरिका, कनाडा और यूरोप प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार भारतीय अध्यात्म और योग परंपरा का वैश्विक स्तर पर प्रसार और सम्मान बढ़ा है। भेंट का वातावरण पूर्णतः आत्मीय, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी रहा। अंत में, स्वामी जी ने राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य और प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

बालाघाट में मां-बेटा नदी में बहे, तलाश जारी

बालाघाट। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में नदी पार करते समय 50 वर्षीय एक महिला और उसका बेटा पानी में बह गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को लांजी तहसील में छोटी बाग नदी में लापता हुए मां बेटे की तलाश जारी है। लांजी के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) ने बताया कि बहेला थानाक्षेत्र के अमेदा गांव निवासी कमलाबाई मरकाम बेटे गज्जू के साथ महाराष्ट्र के चिंगलूटोला गांव में अपनी बेटी के ससुराल से लौट रही थी।उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के अमेदा गांव और महाराष्ट्र के चिंगलूटोला गांव के बीच नदी के रास्ते मुश्किल से डेढ़ किलोमीटर की दूरी हैं।

हिंदी दिवस- 14 सितम्बर, 2025

हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

-ललित गर्ग

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजनात्मक अवसर नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक आत्मगौरव का प्रयोजनात्मक प्रतीक है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में हिंदी विश्व की उन चुनिंदा भाषाओं में से एक जिसे करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर हिंदी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। दुनिया के लगभग 180 देशों में हिंदी बोलने वाले हैं और अंग्रेजी, मंदारिन, स्पेनिश, अरबी जैसी भाषाओं की सूची में हिंदी भी अब शीर्ष स्थानों पर दर्ज है। फिर भी विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी को कई बार विरोध का सामना करना पड़ता है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय अस्मिता और भाषाई विविधता के नाम पर हिंदी के प्रति असहजता दिखाई जाती है। जबकि वस्तुतः हिंदी किसी भी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उन्हें जोड़ने वाली संपर्क-भाषा है। भारत की भाषाई संरचना में हिंदी एक केंद्रीय सूत्र की तरह है। यदि अंग्रेजी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी का आधार बनाया जा सकता है, तो हिंदी का विरोध केवल मानसिक दासता का परिणाम माना जा सकता है।

आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं। जबकि भारत में अभी भी अंग्रेजी के प्रति अनावश्यक मोह और हिंदी के प्रति हीनभावना देखने को मिलती है। यह स्थिति हिंदी की उपयोगिता और सामर्थ्य के विपरीत है। हिंदी न केवल साहित्य और संस्कृति की भाषा है बल्कि विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, सिनेमा और व्यापार में भी अपनी जगह बना रही है। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिंदी को अपने प्लेटफॉर्म पर प्राथमिक भाषा का स्थान दिया है। यह हिंदी की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

हिंदी की प्रासंगिकता आज के समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका भारत को एकजुट करने और विश्व-पटल पर उसकी सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में अनिवार्य है। भाषा केवल बोलचाल का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भी आधार है। इसलिए हिंदी का विरोध करना अपने ही सांस्कृतिक आधार को कमजोर करना है। विश्व के 180 से अधिक देशों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, खाड़ी देशों व यूरोप में हिंदी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इंटरनेट की भाषा के रूप में हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। यह वह स्थिति है जिसकी कल्पना दशकों पहले असंभव मानी जाती थी। लेकिन हिंदी की यह ख्याति केवल आज की तकनीकी क्रांति का परिणाम नहीं है, यह हमारी जड़ों में, संस्कारों में एवं राष्ट्रीयता की भावना में समायी हुई है।

स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी ने राष्ट्र को जोड़ने, जन-जन को जागृत करने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को ह्लजनमानस की भाषाह्व और ह्लराष्ट्रभाषाह्व कहा। लोकमान्य तिलक, पं. नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, सुभाषचंद्र बोस और सरदार पटेल सभी ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार माना। हिंदी प्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम की लौ प्रज्वलित की। ह्यप्रतापह्न, ह्यअभ्युदयह्न, ह्यकर्मवीरह्न, ह्यसरस्वतीह्न जैसी पत्रिकाओं ने जनजागरण का काम किया। कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं से जनमानस को ऊर्जा दी-भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर मैथिलीशरण गुप्त तक, सबने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम का शस्त्र बनाया। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक अनेक नेताओं ने हिंदी के उत्थान और प्रतिष्ठा के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर विश्व स्तर पर हिंदी की पहचान को सशक्त किया और यह संदेश दिया कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय संवाद की भी भाषा बन सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनेक वैश्विक मंचों-ब्रिक्स सम्मेलन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, पर हिंदी में अपने वक्तव्य देकर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र में हिंदी विभाग का विस्तार हुआ और हिंदी समाचार बुलेटिन व डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी का प्रसार बढ़ा।

आज वैश्विक स्तर पर भी हिंदी की उपस्थिति लगातार मजबूत हो रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी सामग्री का उपयोग प्रतिदिन बढ़ रहा है। अमेजन प्राइम, नेटफ्लिक्स जैसी वैश्विक कंपनियां हिंदी कंटेंट को प्राथमिकता दे रही हैं। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में हिंदी का अनुवाद और प्रयोग बढ़ा है। अंग्रेजी के प्रति अंधमोह और हिंदी के प्रति हिचक एवं उपेक्षा एक प्रकार की मानसिक गुलामी का ही प्रतीक है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में हिंदी का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह एक साझा संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा और आधुनिक भारत की पहचान है।

भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ और अपनी भाषा ह्यबहासा इंडोनेशियाह्व को राष्ट्रभाषा के रूप में लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तो तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। लेकिन भारत में राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हिन्दी को राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में स्कूलों, कॉलेजों, अदालतों, सरकारी कार्यालयों और सचिवालयों में कामकाज एवं लोकव्यवहार की भाषा के रूप में प्रतिष्ठा मिलनी चाहिए। हिन्दी को सम्मान एवं सुदृढ़ता दिलाने के लिये केन्द्र सरकार के साथ-साथ प्रांतों की सरकारों को संकल्पित होना ही होगा। हाल में महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तमिलनाडु में हिन्दी विरोध की स्थितियां उग्र बनी। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी इन राज्यों में इसकी इतनी उपेक्षा क्यों? क्षेत्रीय भाषा के नाम पर हिन्दी की अवमानना एवं उपेक्षा के स्वर उभरते रहे हैं, लेकिन प्रश्न है कि हिन्दी को इन जटिल स्थितियों में कैसे राष्ट्रीय गौरव प्राप्त होगा। दरअसल बाजार और रोजगार की बड़ी संभावनाओं के बीच हिंदी विरोध की राजनीति को अब उतना महत्व नहीं मिलता, क्योंकि लोग हिंदी की ताकत को समझते हैं। पहले की तरह उन्हें हिंदी विरोध के नाम पर बरगलाया नहीं जा सकता।

हिन्दी भाषा का मामला भावुकता का नहीं, ठोस यथार्थ का है, राष्ट्रीयता का है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है। भारतीय भाषा एवं संस्कृति के आक्सीजन देने वाले दल एवं नेता भी अंग्रेजी में दहाड़ते देखे गये हैं। राजनेता बात हिन्दी की करते हैं, पर उनका दिमाग अंग्रेजीपरस्त है, क्या यह अन्तर्विरोध नहीं है? हिन्दी का वोट मांगने और अंग्रेजी को राज करने की भाषा बनाना हमारी राष्ट्रीयता का अपमान नहीं है।

ट्रंप के बदले तेवर के पीछे की असल कहानी क्या है?

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कब क्या कहेंगे, और उनका अगला कदम क्या होगा, ये किसी को पता नहीं होता। जब से ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, तब से वो अपने फैसलों से चौंका रहे हैं। खासकर टैरिफ को लेकर ट्रंप लगातार अपने बयान बदलते रहे हैं। इसी कड़ी में अमेरिका ने एकतरफा फैसला सुनाते हुए भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया है, जिसका भारत लगातार विरोध कर रहा है। वैसे भारत और अमेरिका के बीच बेहतर कारोबारी रिश्ते हैं, मौजूदा समय में भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर अमेरिका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार (निर्यात और आयात) 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इस दौरान भारत ने अमेरिका को 86.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया, और 45.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात किया।लेकिन टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच थोड़ी दूरियां बढ़ गई हैं। क्योंकि ट्रंप कभी पीएम मोदी को अपना दोस्त बताते हैं और अगले दिन ही व्यापारिक प्रतिबंध बढ़ा देते हैं, इससे रणनीतिक भरोसा कमजोर होता है। इस बीच एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को अपना दोस्त बताया है और कारोबारी मतभेदों को जल्द दूर करने की बात कही है। अब अचानक भारत को लेकर ट्रंप के रुख में लचीलेपन ते कई कारण बताए जा रहे हैं। क्योंकि हाल ही उन्होंने यूरोपीय संघ (एव) को भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की सलाह दी थी, जबकि इससे इतर वो भारत से ट्रेड समझौते की बात भी कह रहे हैं, उनकी बदलती चाल एक तरह से भारत के लिए चुनौती भी है। जानकारों का कहना है कि भारत को जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचना चाहिए।

गौरतलब है कि इससे पहले पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप की भारत को लेकर अचानक बदली रणनीति के पीछे व्यक्तिगत फैसला हो सकता है, क्योंकि व्यापारिक तौर कुछ भी नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि अचानक इस तरह के बयान देकर माहौल को ठंडा किया जा सकता है, और इसका त्वरित लाभ ट्रंप को मिल जाएगा। लेकिन इसके दूरगामी नुकसान भी हैं। हालांकि सिब्बल का मानना है कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से जारी हुईं तस्वीरों ने व्हाइट हाउस को सोचने के लिए मजबूर कर दिया , जिससे ट्रंप ने अब भारत के प्रति नरम रुख अपनाया है। इस बदलाव को सिब्बल ने एक सकारात्मक संकेत माना है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी कि यह रुख फिर अचानक बदल सकता है।

चीन ने पिछले हफ्ते द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 80 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने वाली एक सैन्य परेड में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था , जिसकी निगरानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी, जो वाशिंगटन, डीसी में हजारों मील दूर थे, जिन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि मैं इसे देखूं, और वह वास्तव में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तियानमेन स्क्वायर में भव्य समारोह के बारे में विस्तार से नहीं बताया। ट्रम्प और बाकी दुनिया के लिए चीन का संदेश स्पष्ट था: कि दुनिया में एक नया शक्ति केंद्र बन रहा है, जो सौ साल पुरानी अमेरिकी आधिपत्य प्रणाली को चुनौती देने के लिए तैयार है। उस दिन ट्रंप ओवल ऑफिस में पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नोवरत्स्की के साथ मुलाकात कर रहे थे। उस समय उन्होंने चीन की सैन्य परेड के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा था। चीन के साथ टैरिफ युद्ध के दौरान की घटनाओं के बारे में ट्रम्प के बयान उदासीनता, दुःख और चिंता का मिश्रण थे। ट्रम्प परेड के बारे में बेपरवाह दिखाई दिए और कहा कि चीन दो दर्जन से अधिक राष्ट्राध्यक्षों के सामने चीन के शक्ति प्रदर्शन के बारे में चिंतित नहीं था। हालांकि, चीन द्वितीय विश्व युद्ध में अपने योगदान के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को श्रेय नहीं देता है। उन्होंने इसकी शिकायत की। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, "कृपया पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक बधाई दें, जबकि आप अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। कुल मिलाकर, अन्य देशों का एक साथ आना ट्रम्प को असहज कर रहा है।

ट्रम्प को परेड और सैन्य शक्ति के प्रदर्शनों के लिए विशेष प्यार है। पिछले महीने उन्होंने अलास्का में रेड कार्पेट पर पुतिन का अभिवादन किया। स्टील्थ बमवर्षकों और अमेरिकी जेट विमानों ने ऊपर से उड़ान भरी। दो महीने पहले, उन्होंने अमेरिकी सेना की 250 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए वाशिंगटन में एक सैन्य परेड की मेजबानी की। चीन की नवीनतम सैन्य परेड अपने उच्च तकनीक वाले हथियारों और अनुशासित मार्चिंग के लिए जानी जाती थी। यह एक सामान्य घटना थी। द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल किए गए टैंक और क्रांतिकारी युग के सैनिक व्हाइट हाउस के पास कॉन्स्टीट्यूशन एवेन्यू पर इत्मीनान से चल रहे थे। यह ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे पर आधारित एक यादगार कार्यक्रम था। अमेरिका के गौरवशाली इतिहास और इस घटना पर नजर डालते हुए ट्रंप ने 19वीं सदी के उस समय को याद किया। चीन की सैन्य परेड में अपने भविष्य के हथियारों का प्रदर्शन किया गया और वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने यह भी दिखाने की कोशिश की कि चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध में फासीवाद और साम्राज्यवाद को हराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका दावा है कि अगर उस युद्ध ने तथाकथित 'अमेरिकी सदी' की शुरूआत की है, तो चीन अब एक नई विश्व व्यवस्था बनाने में सफल होगा। कार्यालय में ट्रम्प के पहले सहयोगी रहे रिचर्ड विल्की ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार में चीनी राष्ट्रवादी और अमेरिकी सेनाओं का योगदान चीनी कम्युनिस्ट ताकतों के योगदान से अधिक था। इस सप्ताह चीन की सैन्य परेड संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चिंता का एकमात्र कारण नहीं थी। इसके अलावा अमेरिकी नीति निमार्ताओं के लिए चिंता के कई अन्य कारण भी थे। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस बीच, चीन-भारत संबंधों में सुधार का एक प्रमुख कारण ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ हैं। इसने भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने दुनिया की आर्थिक और आर्थिक और आर्थिक समस्याओं को प्रभावित किया है। राजनीतिक ध्रुवीकरण बदतर हो गया है। चीन, रूस और भारत, जिन्हें प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, इस बात का एक बड़ा उदाहरण हैं कि कैसे देश बदली हुई परिस्थितियों में एक साथ आ सकते हैं।

बताया जाता है कि दरअसल ट्रम्प ने अमेरिकी उद्योग की रक्षा करने और सरकार के लिए नया राजस्व उत्पन्न करने की योजना के हिस्से के रूप में टैरिफ का समर्थन किया है। ट्रम्प समर्थित अमेरिका फर्स्ट फॉरेन पॉलिसी इंस्टीट्यूट में अमेरिकी सुरक्षा के सह-अध्यक्ष रिचर्ड विल्की का कहना है कि कोरियाई, जापानी, फिलिपिनो और वियतनामी अच्छी तरह से जानते हैं कि वास्तविक खतरा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनकी व्यापार साझेदारी के लिए एक छोटी बाधा नहीं है, बल्कि चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति है। ट्रम्प अक्सर अन्य देशों में संघर्षों और चिंताओं के प्रति उदासीन रहे हैं। यह मदद नहीं करता है। इसके बजाय, वे संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक रूप से करीब देशों की समस्याओं में रुचि दिखा रहे हैं, जैसे कि ग्रीनलैंड, पनामा और कनाडा। चीन ने विजय दिवस परेड में दुनिया को अपनी सैन्य ताकत दिखाई, यह प्रदर्शित करते हुए कि ट्रम्प की व्यापार नीतियां संयुक्त राज्य अमेरिका की जीत के बजाय विफलता का जोखिम उठाती हैं। संकेत बढ़ रहे हैं। पिछले हफ्ते, एक अपील अदालत ने फैसला सुनाया कि ट्रम्प के कई आरोप संघीय कानून की गलत व्याख्या पर आधारित थे; लेकिन ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील करने का फैसला किया है, जिसमें रूढ़िवादी न्यायाधीशों का वर्चस्व है, जिन्हें ट्रम्प के समर्थक माना जाता है, लेकिन उन्होंने उन राष्ट्रपतियों के खिलाफ बहुत सख्त रुख अपनाया है जो कांग्रेस की मंजूरी के बिना प्रमुख नीतियों को लागू करने की कोशिश करते हैं, इसलिए वह ट्रम्प की फीस पर नरम रुख अपनाएंगे। इसकी संभावना नहीं है। जब व्यापार की बात आती है तो ट्रम्प ने हमेशा अपने मन की बात सुनी है। उन्होंने कई पारंपरिक नीतियों को बदल दिया है और नए व्यापारिक साझेदार बनाए हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि उनकी व्यापार नीति अमेरिका को 'दूसरे स्वर्ण युग' में ले जाएगी। लेकिन चाहे वह तियानमेन स्क्वायर में चीनी सैन्य परेड हो या अमेरिकी अदालतें; ट्रंप के टैरिफ से जो खतरा पैदा हुआ है, वह काल्पनिक नहीं, बल्कि वास्तविक है। भारत के रवैये से ट्रंप की चिढ़ बढ़ती जा रही थी और एक तरफ भारत अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुका और दूसरी तरफ अमेरिका अपने देश में कई समस्याओं से घिरा हुआ था।लेकिन अब उन्हें हकीकत का एहसास हुआ कि उन्होंने पहले कहा था कि हमने चीन की वजह से भारत और रूस जैसे दोस्तों को खो दिया है, लेकिन दो दिन के भीतर ही उन्होंने भारत और मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच खास रिश्ता है, लेकिन वह हमेशा मोदी के दोस्त रहेंगे, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। इसे भी जोड़ा गया था। ट्रंप का बदला हुआ लहजा भारत की दबाव वाली विदेश नीति का नतीजा लगता है।

विश्व की सबसे समृद्ध भाषा है हिन्दी

-रमेश सर्राफ धमोरा

14 सितम्बर हिन्दी दिवस पर विशेष

हिन्दी एक भारतीय इंडो-यूरोपीय भाषा है जो संस्कृत से विकसित हुई और देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। देवनागरी लिपि में ही संस्कृत, मराठी, नेपाली और कई अन्य भारतीय भाषाएँ भी लिखी जाती है। देवनागरी का अर्थ है देवताओं की लिपि या शहर की लिपि। यह संस्कृत के दो शब्दों देव' (ईश्वर/देवता) और 'नागरी' (नगर/शहर से लिया गया विशेषण) से मिलकर बना है। देवनागरी एक ब्राह्मी-आधारित वर्णमाला है जिसका उपयोग भारत की कई भाषाएँ जैसे हिंदी, मराठी और संस्कृत को लिखने के लिए किया जाता है। इसीलिए हिंदी भाषा को संस्कृत भाषा की प्रत्यक्ष वंशज कहा जाता है।

हिंदी भाषा एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिन्दी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी विडम्बना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक सारे भारत में समझा जाता हो। उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा व अवज्ञा क्यों ? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा कहा गया है।

हिन्दी भारत सरकार की आधिकारिक भाषा है और हिंदी बोलने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। हिंदी भाषा का अर्थ है ॽभारत या हिंद से संबंधितॽ। यह भारत की आधिकारिक राजभाषा है और दुनिया में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। इसका इतिहास प्राचीन संस्कृत और प्राकृत भाषाओं से जुड़ा है। हिन्दी भाषा का जन्म भारत में ही हुआ था । एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाते लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दशार्ता है। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है।

हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करनें का अभिनव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं। जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है। हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है। लेकिन हिन्दी भाषा समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए भी जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है। यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना लाती है। जिंदगी में सफलता पाने के लिये हर कोई अंग्रेजी भाषा को बोलना और सीखना चाहता है। हिन्दी भाषी लोगों को इस हीन भावना से उबरना होगा, क्योंकि मौलिक विचार मातृभाषा में ही आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है जिस भाषा में आदमी जीता है। हमें अहसास होना चाहिये कि हिन्दी दुनिया की किसी भी भाषा से कमजोर नहीं है। अंग्रेजी व चीनी भाषा मंदारिन के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। नेपाल, पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी को हिंदी बोलना, लिखना, पढना आता है। बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश की सरकारें तो हिंदी भाषियों द्वारा ही चलायी जा रही हैं। पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या करीबन एक सौ करोड़ से अधिक है।

आदिकाल से अब तक हिन्दी के आचार्यों, सन्तों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिन्दी-प्रेमियों ने अपने ग्रन्थों, रचनाओं से हिन्दी को समृध्द किया है। परन्तु हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं मतों को विविध विधाओं के माध्यम से हिन्दी में अभिव्यक्त करें एवं इसकी समृध्दि में अपना योगदान दें। कोई भी भाषा तब और भी समृध्द मानी जाती है जब उसका साहित्य भी समृध्द हो। बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकड़ों छोटे-बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विदेशों से हिन्दी में दर्जनों पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर सुदृढ और समृद्ध है। इसके विकास की गति बहुत तेज है।

देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के एक साथ विकास के कारण हिन्दी ने कहीं ना कहीं अपना महत्ता खो दी है। आज हिन्दी भाषा में अंग्रेजी शब्दों का प्रचलन तेजी से बढ़ने लगा है। बहुत से बड़े समाचार पत्रों में भी अंग्रेजी मिश्रित हिन्दी का उपयोग किया जाने लगा है। जो हिन्दी भाषा के लिये शुभ संकेत नहीं हैं। रही सही कसर सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है। जहां सॉफ्टवेयर की मदद से रूपांतर कर अंग्रेजी से हिन्दी भाषा बनायी जाती है। जिसमें ना मात्रा का ख्याल रहता है और ना ही शुद्ध वर्तनी का। वर्तमान समय में हिन्दी भाषा के समाचार पत्र व पत्रिकायें धड़ाधड़ बंद हो रहें हैं।

हिन्दी दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिये की हम पूरे मनोयोग से हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना निस्वार्थ सहयोग प्रदान कर हिन्दी भाषा के बल पर भारत को फिर से विश्व गुरु बनवाने का सकारात्मक प्रयास करेंगें। अब तो कम्प्यूटर पर भी हिन्दी भाषा में सब काम होने लगे हैं। कम्प्यूटर पर हिन्दी भाषा के अनेको सॉफ्टवेयर मौजूद हैं जिनकी सहायता से हम आसानी से कार्य कर सकते हैं।

करोड़ों दिलों में राज करती हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं

संजीव ठाकुर

हिंदी करोड़ दिलों में बसी हुई भाषा है। इसके अलावा विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है किंतु आज पर्यंत तक हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का सर्वोच्च सम्मान अभी भी अपेक्षित है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ॽराष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक हैॽ हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं और थे, जैसे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा ॽहिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं कियाॽ यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है।

एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है। अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है। और हिंदी की रामायण गीता रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने हिंदी की प्रगति के लिए कुछ पंक्तियां कही है जो आज भी उल्लेखनीय है,

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल,
बृज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल।

एक्यूरेट इंस्टीट्यूट ने 1,000 से अधिक छात्रों के लिए भव्य ओरिएंटेशन के साथ नए बैच का किया स्वागत

पटना। ग्रेटर नोएडा स्थित एक्यूरेट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, जो विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत कोर्सेज प्रदान करने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है, ने एक भव्य ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। इस समारोह का उद्देश्य 1,000 से अधिक छात्रों और उनके अभिभावकों का स्वागत करना था। इन प्रतिभागियों में बी.टेक, फामेर्सी, लॉ, बीबीए, बीसीए, बी.कॉम (ऑनर्स) और पॉलिटेक्निक कार्यक्रमों के छात्र शामिल थे। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले विशिष्ट अतिथियों में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित, विश्व प्रसिद्ध सुपर 30 के आनंद कुमार पत्रकार और सलाहकार, अमर उजाला, विनोद अग्निहोत्री, मेडोज फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. एस.ए.एस. किमार्नी, 2023 की अर्जुन पुरस्कार विजेता पिंकी सिंह, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सहायक निदेशक विकास बघेल और लोकप्रिय स्टैंड-अप कॉमेडियन मोहित दुडेजा शामिल थे।

तलासरी के सूत्रकार पाटील पाड़ा का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उद्घाटन के बाद से ही पड़ा है बंद

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के तलासरी तहसील अंतर्गत सूत्रकार पाटील पाड़ा में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन 15 अगस्त 2024 को किया गया था। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि उद्घाटन के बाद से ही यह केंद्र ऑक्सीजन पर पड़ा हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उद्घाटन के बाद भी स्वास्थ्य विभाग को यह केंद्र औपचारिक रूप से हस्तांतरित क्यों नहीं किया गया, यह बड़ा सवाल बन गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला परिषद पालघर द्वारा 7 फरवरी 2019 को इस भवन के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि उस समय यहां आने-जाने के लिए कोई सड़क भी मौजूद नहीं थी, फिर भी प्रशासकीय मान्यता कैसे और क्यों दी गई? सूत्रकार पाटील पाड़ा ग्रामीण क्षेत्र है, जहां पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं का घोर अभाव है। बरसात के मौसम में बीमारियों का प्रकोप बढ़ने से लोगों का स्वास्थ्य गंभीर संकट में है, फिर भी स्वास्थ्य केंद्र विभागीय क्षेत्र में न होना स्थानीय जनता के लिए परेशानी का कारण बन गया है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि इस इमारत के लिए प्रशासनिक आदेश क्रमांक 306/2020-21 बिना किसी ठोस जांच के जारी कर दिया गया। न तो सड़क की व्यवस्था देखी गई और न ही अन्य मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान दिया गया। आज भी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं दिखती, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। गांववासियों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च करके इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन वर्षों से यह उपयोग में नहीं आ रहा है। उद्घाटन के बावजूद केंद्र बंद पड़ा है और भवन ऑक्सीजन पर है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला अब चर्चा का विषय बन चुका है। उनका आरोप है कि महाराष्ट्र शासन के धन का दुरुपयोग हुआ है और शासन को भी फसाया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित अधिकारी और पदाधिकारियों की गंभीरता जांच की जाए, दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो तथा जल्द से जल्द स्वास्थ्य केंद्र को चालू किया जाए, ताकि गांव और आसपास के क्षेत्रों में बीमारियों से जूझ रहे लोगों को राहत मिल सके। इस अस्पताल को चालू कराने हेतु मानव अधिकार मिशन नामक संस्था द्वारा संबंधित सभी विभागों और प्रदेश सरकार को पत्र व्यवहार किया जा चुका है। इस अस्पताल को लेकर संबंधित विभाग एवं प्रदेश सरकार क्या कदम उठाती है इस ओर सभी की निगाहें लगी हुई हैं।

एडवांस एडीएएस सुरक्षा तकनीक के साथ लॉन्च हुई Nexon.ev

मुंबई। भारत के सबसे बड़े 4-व्हीलर ईवी निर्माता और देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्रांति के अग्रदूत TATA.ev ने आज घोषणा की है कि Nexon.ev 45 में अब एडवांस एडीएएस सुरक्षा तकनीक जोड़ी गई है। प्रीमियम आकर्षण को और बढ़ाते हुए कंपनी ने इसमें रियर विंडो सनशेड और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स भी शामिल किए हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतर वैल्यू मिलेगी। इसके साथ ही, TATA.ev ने Nexon.ev DARK एडिशन भी लॉन्च किया है, जो पोर्टफोलियो में स्टाइल और एक्सक्लूसिविटी को और ऊंचाई पर ले जाता है। नए जोड़े गए फीचर्स एम्पॉवर्ड +A 45, एम्पॉवर्ड +A 45 DARK एवं एम्पॉवर्ड +A 45 Red DARK पर्सोना में उपलब्ध होंगे और इनकी एक्स-शोरूम कीमत क्रमशः17.29 लाख रुपये, 17.49 लाख रुपये एवं 17.49 लाख रुपये होगी। ये सभी नए मॉडल्स 5-स्टार भारत-NCAP रेटिंग के साथ आते हैं, जिससे पूरा Nexon.ev लाइन-अप 5-स्टार सेफ्टी सर्टिफाइड हो गया है। साथ ही, Nexon.ev पहले 45 मालिक के लिए लाइफटाइम HV बैटरी वारंटी के साथ उपलब्ध है, जो ग्राहकों को असीम शांति और भरोसा प्रदान करती है। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर श्री विवेक श्रीवास्तव ने कहा, "TATA.ev में हम लगातार अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि ग्राहकों के लिए, उनका अनुभव और भी सार्थक हो। Nexon.ev इस बात का सटीक उदाहरण है कि हम कैसे इसके आकर्षण और वैल्यू को लगातार बढ़ाते रहे हैं। अब एडीएएस सुरक्षा तकनीक और DARK एडिशन की शुरुआत के साथ, हम Nexon.ev में एक अलग और सॉफिस्टिकेटेड ब्यूटी लेकर आए हैं। साथ ही, इसकी सुरक्षा और प्रीमियम पहचान को और मजबूत किया है। Nexon.ev हमारे बेस्ट-इन-क्लास फीचर्स प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है और यह हमारे इनोवेशन के माध्यम से मोबिलिटी इंडस्ट्री को लीड करने के मिशन को गति देता है।

नागपुर में स्कूल वैन और बस की टक्कर में चालक की मौत, चार बच्चे घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में शुक्रवार को एक फ्लाईओवर पर एक स्कूल वैन और बस की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े आठ बजे मनकापुर फ्लाईओवर पर हुई, जब स्कूल वैन गलत लेन में चली गई और दूसरे स्कूल की खाली बस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि वैन चालक ऋतिक कनौजिया (24) की इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीजीएमसी) में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के कारण वैन क्षतिग्रस्त हो गई और कई छात्र अंदर फंस गए। राहगीरों ने बच्चों को बचाया और उन्हें पास के अस्पतालों में पहुंचाया। एक छात्रा एक निजी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती है, जबकि तीन अन्य बच्चों का अन्य अस्पतालों में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा कि मनकापुर पुलिस ने इस घटना को लेकर मामला दर्ज किया है और जांच जारी है।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से पालघर पुलिस ने 20 लाख 40 हजार रुपये कीमत के 104 मोबाइल किया बरामद

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल के माध्यम से पालघर पुलिस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस दल ने इस पोर्टल का इस्तेमाल करते हुए कुल 104 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत 20 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है।

पालघर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में गुरुवार 11 सितम्बर 2025 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशेष पुलिस महानिरीक्षक, कोकण परिक्षेत्र, नवी मुंबई संजय दराडे के हाथों संबंधित नागरिकों को उनके मोबाइल

पालघर पुलिस दल की सराहनीय कामयाबी

फोन सौंपे गए। कार्यक्रम में संजय दराडे ने पालघर पुलिस दल की कार्यक्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीईआईआर पोर्टल के सही उपयोग से पुलिस की दक्षता और जनता का विश्वास दोनों बढ़े हैं। पालघर पुलिस ने जो कार्यकुशलता दिखाई है, उससे पुलिस-जनता संबंध और मजबूत हुए हैं। इस अवसर पर पालघर पुलिस अधीक्षक, यतिश देशमुख ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि तकनीकी जाँच और मानवीय खुफि या नेटवर्क का सही उपयोग कर हमने यह सफलता हासिल की है।

कई ऐसे नागरिक, जिन्होंने वर्षों पहले अपना मोबाइल खो दिया था और उम्मीद छोड़ दी थी, आज जब उन्हें उनका फोन वापस मिला तो उनके चेहरे पर खुशी देख कर हमें भी संतोष हुआ। भविष्य में भी पालघर पुलिस दल नागरिकों की सेवा के लिए तकनीक का इसी तरह उपयोग करता रहेगा। मोबाइल वापस पाकर उपस्थित नागरिकों ने भी पालघर पुलिस का आभार व्यक्त किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख एवं अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इसमें पोनि प्रदीप पाटील (स्थानीय गुन्हे शाखा व सायबर पुलिस स्टेशन पालघर), पोउपनि रूपाली वर्तक, पोउपनि समीर भोसले, पोना भुषण वाघमारे, मपोना कविता पाटील, मपोअं मोनिका तिडके, पोअं रामदास दुर्गेष्ट, पोअं रूपेश पाटील, पोअं रोहित तोरस्कर, पोअं अक्षय शेट्ये, पोअं महादेव सांगवे, मपोअं स्नेहलता ढोरे, मपोअं स्नेहल शेलार, मपोअं ऋषिका बारी की टीम द्वारा की गई है।

पालघर जिलाधिकारी कार्यालय में 15 सितंबर को होगा महिला लोकतंत्र दिवस का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। समस्याग्रस्त व पीड़ित महिलाओं की शिकायतें व कठिनाइयाँ दूर करने तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ की अध्यक्षता में जिला स्तर पर महिला लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया जाता है। यह कार्यक्रम हर महीने के तीसरे सोमवार को होता है। इस माह का महिला लोकतंत्र दिवस 15 सितंबर को जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में आयोजित किया जायेगा।

महिला लोकतंत्र दिवस के लिए प्रस्तुत किया जाने वाला आवेदन जिलाधिकारी के नाम संबोधित होना चाहिए।

साथ ही, आवेदन के साथ तालुका महिला लोकतंत्र दिवस टोकन क्रमांक एवं तहसीलदार के उत्तर की प्रति भी संलग्न करना अनिवार्य है। महिलाओं की शिकायतें व समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 108, प्रथम मंज़िल, प्रशासकीय इमारत अ, जिलाधिकारी कार्यालय परिसर, कोलगाव रोड, पालघर में जमा किए जा सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक कागजात संलग्न करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी या संपर्क के लिए ई-मेल dwcdopalghar @gmail.com तथा दूरभाष क्रमांक 02525-257622 पर संपर्क किया जा सकता है। उक्त जानकारी जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा दी गई है।

पालघर जिले में 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के आश्रमशाला विद्यार्थियों को गोवर-रुबेला का अतिरिक्त डोज

पालघर(उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार पालघर जिले में 15 से 30 सितंबर 2025 के दौरान गोवर-रुबेला (एम.आर.) टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जायेगा। यह अभियान जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। गोवर (मीजल्स) एक अत्यंत संक्रामक रोग है, जिसके कारण अंधत्व, मेदुज्वर, श्वसन और कान संबंधी गंभीर विकार उत्पन्न हो सकते हैं। वहीं, रुबेला से गर्भवती महिलाओं को गंभीर दुष्परिणाम झेलने पड़ते हैं। इन दोनों बीमारियों का कोई विशेष इलाज उपलब्ध नहीं है, इसलिए टीकाकरण

15 से 30 सितंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान

ही इनसे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय माना जाता है।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत जिले के सभी आश्रम विद्यालयों में 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों को गोवर-रुबेला का एक अतिरिक्त डोस दिया जायेगा। इसके लिए प्रत्येक आश्रम विद्यालय में अलग-अलग टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए हैं। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ शिक्षा, आदिवासी विकास तथा महिला व बाल विकास विभाग भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। तहसील स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों को पूर्व प्रशिक्षण दिया गया है तथा टीकाकरण के बाद किसी भी विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए विशेष तैयारी की गई है। जनजागरण के लिए शिक्षक, पत्रकार और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है। बच्चों का कोई भी विद्यार्थी टीकाकरण से वंचित न रहे, इसके लिए लगातार अभिभावकों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। इस अभियान के मुख्य उद्देश्य पालघर जिले में टीकाकरण दर को 95% से अधिक ले जाना, एम.आर. वैक्सीन के दोनों डोसों के बीच की कमी (गैप) को पूरी तरह शून्य करना तथा प्रत्येक बच्चे के सुरक्षित भविष्य की गारंटी देना है। जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस अभियान में अवश्य शामिल करें और उन्हें गोवर-रुबेला से सुरक्षा प्रदान करें।

नवी मुंबई हवाईअड्डा का नाम स्व. दी. बा. पाटिल रखे जाने को लेकर कार रैली का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम जननेता स्व. दी. बा. पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर भिवंडी से नवी मुंबई के जासई गांव तक अभिवादन कार रैली में अब तक दो हजार से ज्यादा कारों का समावेश हो चुका है। बतादें कि भिवंडी लोकसभा के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने पत्रकार परिषद में बताया कि रविवार सुबह 9 बजे मानकोली से शुरू होने वाली इस रैली में दो हजार से ज्यादा कारें शामिल हो गयी है यह रैली अनुशासित तरीके से भिवंडी से नवी मुंबई में प्रवेश करेगी और दी. बा. पाटिल का अभिवादन करने जासई

गांव जाएगी। जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अब अगली लड़ाई न्याय की होगी और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने शुक्रवार को आयोजित एक पत्रकार परिषद में केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुये कहा कि स्व. दी बा पाटिल का सामाजिक और राजनीतिक कार्य क्षेत्र बहुत बड़ा था उनका काम हमेशा किसानों, कोली और भूमिपुत्रों के लिए प्रेरणादायक रहा है इसलिए नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम स्वर्गीय दी..बा.पाटिल के नाम पर रखने की मांग अब हम लाखों किसानों, कोली और भूमिपुत्रों के लिए चिंता का विषय बन गई है। अगर हवाई अड्डे का नाम उनके नाम पर नहीं रखा गया तो लाखों भूमिपुत्र उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे।

झोला छाप डाक्टरों के खिलाफ भिवंडी मनपा की मुहिम में तीन डाक्टरों पर मामला दर्ज

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के झोपडपट्टी क्षेत्र में गरीब और मजदूरों की मजबूरी का फायदा उठाकर कई फर्जी झोलाछाप डाक्टर बिना किसी वैधानिक डिग्री के दवाखाना खोलकर इलाज के नाम पर अपनी दुकान चला रहे हैं। जिसके संबंध में कई शिकायतें मिलने के बाद मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने गणेशोत्सव के बाद फर्जी डाक्टरों के खिलाफ एकबार फिर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मनपा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संदीप गाडेकर के मार्गदर्शन में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने वाली टीम के नियंत्रण अधिकारी डा. जयवंत धुले के नेतृत्व में वैद्यकीय पथक और पुलिस टीम के साथ मेडिकल टीम द्वारा की गई कार्रवाई में तीन फर्जी डाक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डा. जयवंत धुले द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चिकित्सा अधिकारी डा. राजकुमार शर्मा, डा. प्रिया फड़के, डा. शोएब अंसारी, क्लर्क शैलेश शंकर खाने, सिपाही अरविंद जाधव के साथ पंच योगेश धनगर, वकी अली आगा और सहायक पुलिस उपनिरीक्षक राजे, महिला पुलिस फर्डे, पुलिस शिरसागर, गभाले, जागले की टीम ने शाम 7 बजे से रात 10 बजे के बीच चार घंटे की कार्रवाई के दौरान नागांव क्षेत्र के ज्योत्सना नगर में भक्तिसागर बिल्डिंग में भीमराव ज्ञानबा कावड़े के मेडिकल प्रमाण पत्र की जांच की तो एन.ई.एच.एन. डिग्री जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक चिकित्सा, योग

फर्जी डाक्टरों में मचा हडकंप

और एक्यूपंक्चर आदि उपचार प्रदान कर सकता है जबकि उसे शहरी क्षेत्रों में किसी भी एलोपैथिक दवाओं और उपचार करने की अनुमति नहीं है। जब पंच ने डा. भीमराव कावड़े के क्लिनिक की तलाशी ली तो वहाँ एलोपैथिक चिकित्सा उपकरण और दवाएं मिलीं।

उसके बाद शांतिनगर क्षेत्र के आजाद नगर में मोहम्मद शमीम सिद्दीकी के सिद्दीकी क्लिनिक के खिलाफ कार्रवाई की गई। उनके पास बी.ई.एम.एस. डिग्री प्रमाण पत्र पाया गया जो शहरी क्षेत्रों में एलोपैथिक उपचार के लिए चिकित्सा उपकरण और दवाइयाँ देते पाए गए। तीसरी कार्रवाई गायत्रीनगर क्षेत्र के नूरी नगर डोंगरपाड़ा में वहां मोहम्मद अयूब मोहम्मद हनीफ नाम का एक व्यक्ति बैठा था।

जब उससे मेडिकल सर्टिफिकेट मांगा गया तो वह बिना किसी मेडिकल सर्टिफिकेट के अवैध रूप से चिकित्सा का अभ्यास करता पाया गया। वहां से भी बड़ी मात्रा में एलोपैथिक चिकित्सा उपकरण और दवाइयाँ जब्त की गईं। डा. राजकुमार शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद तीनों जगहों से 8,992 रुपये मूल्य के उपकरण और दवाओं का स्टाक जब्त किया गया। भीमराव कवाडे, मोहम्मद शमीम सिद्दीकी और मोहम्मद अयूब मोहम्मद हनीफ के खिलाफ बिना किसी मेडिकल सर्टिफिकेट के एलोपैथिक चिकित्सक होने का दिखावा करके नागरिकों को गुमराह करने और उनका इलाज करने के आरोप में शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जिसमें महाराष्ट्र प्रैक्टिशनर अधिनियम, 1961 की धारा 33, 36 और भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद इस क्षेत्र में झोलाछाप डाक्टरों में हड़कंप मच गया है और अपनी दुकानें बंद करके भाग गए हैं।

हिंदू जनजागृति संस्था ने बच्चियों एवं महिलाओं को नि :शुल्क दिखाई द बंगाल फाइल फिल्म

पालघर (उत्तरशक्ति)। धर्म जनजागरण अभियान के तहत हिंदू जनजागृति संस्था द्वारा शहर के केटी मल्टीविजन थिएटर में सैकड़ों बच्चियों और महिलाओं को द बंगाल फाइल फिल्म को निशुल्क दिखाया गया।

इस विशेष शो का उद्देश्य दर्शकों को इतिहास की सच्चाइयों और अतीत में हुए अत्याचारों से अवगत कराना था।

फिल्म देखते समय कई दर्शक भावुक हो उठे। महिलाओं का कहना था कि हमारे पूर्वज बहुसंख्यक होने के बावजूद भी गंभीर अन्याय और अत्याचार झेलते रहे। वहीं, फिल्म के कई रोंगटे खड़े कर देने वाले दृश्यों ने सभी को गहराई से प्रभावित किया

और कई दर्शकों की आंखें नम हो गईं। संस्था के महासचिव अमित बाबू ने बताया कि हिंदू जनजागृति संस्था समय-समय पर समाज में भारतीय संस्कारों और जागरूकता को जीवित रखने के लिए ऐसे प्रयास करती रही है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व संस्था द्वारा लगभग 200 बच्चियों के लिए द केरला स्टोरी फिल्म का भी विशेष निशुल्क प्रदर्शन किया गया था, जिससे उन्हें प्रेरणा मिली। अब द बंगाल फाइल का मुफ्त शो आयोजित कर बच्चियों और महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया।

क्विज के रंग हमीद इकबाल सिद्दीकी के संग में शामिल हुए बीएमसी के 200 शिक्षक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुंबई महानगरपालिका के शिक्षकों के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम ह्लक्विज के रंग हमीद इकबाल सिद्दीकी के संगह्व के शीर्षक के अंतर्गत 10 सितंबर 2025, बुधवार को पेंग्विन हॉल, रानीबाग, भायखला में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षण अधिकारी सुजाता खरे के मार्गदर्शन में और नगर विभाग के उपशिक्षणाधिकारी निसार खान के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बीएमसी के दो सौ से अधिक शिक्षक शामिल हुए।

प्रसिद्ध क्विज मास्टर हमीद

इकबाल सिद्दीकी और उनकी टीम खान अखलाक (पूर्व प्राचार्य, आर.सी. महिम डी.एड कॉलेज), जाहिदा हमीद इकबाल सिद्दीकी, शेख नसरीन, काजी अब्दुल कदीर (मदनी हाई स्कूल), फराहना शेख, सबा शादाब ने एक सुंदर और ज्ञानवर्धक क्विज प्रस्तुत की। इतिहास, भूगोल, विज्ञान, साहित्य और सामान्य ज्ञान पर आधारित 30 प्रश्नों पर 30 पुरस्कार रखे गए थे, और शिक्षकों का उत्साह देखने लायक था। इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति के रूप में उपशिक्षणाधिकारी (मध्यवर्ती) कीर्तिवर्धन कीरित कुडवे, उपशिक्षणाधिकारी मुख़्तार शाह, प्रशासनिक अधिकारी चंद्रकांत भंडारे, प्रशासनिक अधिकारी सुजाता पवार, बीट अधिकारी शाह अशफाक अहमद उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्याध्यापक और शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

तेज रफ्तार ट्रक ने मजदूरों से भरी ट्राली में पीछे से मारी टक्कर, 1 की मौत

छतवारा हुसैनगंज के पास हुए हादसे में 5 घायल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के सिधारी थाना क्षेत्र के छतवारा हुसैनगंज के पास गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पांच अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से मंडलीय अस्पताल ले जाया गया। जहां एक मजदूर की हालत गंभीर होने के कारण उसे पीजीआई रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब ट्रैक्टर चालक शिव प्रकाश मजदूरों को इटौरा हुसैनगंज के पास छत की ढलाई के बाद ट्रैक्टर पर बैठाकर ले जा रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर बेहोश हो गए।

लड़की बनने की ऐसी चाहत कि 17 वर्षीय आईएएस छात्र ने काट लिया अपना प्राइवेट पार्ट

डॉक्टर की सलाह पर उठाया खौफनाक कदम, हालत बिगड़ी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय एक छात्र ने जेंडर आइडेंटिटी संकट के चलते अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया। बचपन से ही खुद को लड़की मानने वाले इस छात्र ने डॉक्टर की सलाह पर यह खतरनाक कदम उठाया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना जेंडर डिस्फोरिया और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी पर सवाल खड़े कर रही है। घटना प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में हुई, जहां छात्र किराए के कमरे में रह रहा था। अमेठी जिले का रहने वाला यह छात्र अपने माता-पिता की इकलौती संतान है। उसके पिता किसान हैं जबकि मां गृहिणी। सीबीएसई से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह आईएएस बनने के सपने लेकर प्रयागराज आया था। छात्र का कहना है कि 14 वर्ष की उम्र में लड़कियों के साथ डांस करते हुए उसे पहली बार अहसास हुआ कि वह लड़का तो है लेकिन बाकी लड़कों जैसा नहीं। बचपन से ही मुझे लगता था कि मैं लड़की हूं, सिर्फ मेरा शरीर लड़के जैसा है। अंदर से फिलिंग लड़कियों जैसी आती है। चाल-चलन और रहन-सहन भी वैसा ही, छात्र ने बताया।

इस कशमकश में छात्र ने गूगल और यूट्यूब पर सर्च किया कि शारीरिक रूप से लड़की कैसे बने। बाद में उसने एक डॉक्टर 'जेनिथ' से संपर्क किया। जिन्होंने प्राइवेट पार्ट काटने की पूरी प्रक्रिया समझा दी। डॉक्टर की सलाह पर छात्र मेडिकल स्टोर से एनेस्थीसिया इंजेक्शन, सर्जिकल ब्लेड, रुई और अन्य सामान खरीदकर लाया। घर पहुंचकर उसने खुद को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाया। जिससे कमर के नीचे का हिस्सा सुन्न हो गया। फिर सर्जिकल ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया और खुद ही मरहम-पट्टी कर ली। एनेस्थीसिया का असर कम होते ही असहनीय दर्द शुरू हो गया। छात्र चीखने-चिल्लाने लगा। लेकिन मकान मालिक को कमरे में घुसने से रोक दिया। उसने केवल एंबुलेंस बुलाने को कहा। मकान मालिक ने तुरंत एंबुलेंस बुलाई और छात्र को तेज प्रताप सप्रू (बेली) अस्पताल में भर्ती कराया। वहां हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने उसे स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल रेफर कर दिया। वर्तमान में डॉ. संतोष सिंह की देखरेख में छात्र का इलाज चल रहा है। डॉ. सिंह ने बताया कि वक्त पर अस्पताल पहुंचने से छात्र की जान बच गई। वह अब लड़कियों जैसा जीवन जीना चाहता है और पुराने रूप में वापस नहीं लौटना चाहता। घटना के बाद इलाके में कई तरह की चचाएं जोरों पर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जेंडर डिस्फोरिया का गंभीर मामला है। जहां मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी ने छात्र को इस चरम कदम तक पहुंचा दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लेकिन छात्र की उम्र कम होने के कारण कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही। परिवार को सूचना दे दी गई है, जो जल्द ही प्रयागराज पहुंचने वाले है।

कोबरा वॉरियर्स मार्शल आर्ट अकेडमी के 3 खिलाड़ी राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित

9 खिलाड़ियों ने 69वीं मण्डलीय माध्यमिक विद्यालयी ताईक्वांडो प्रतियोगिता में दिखाया दम

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदौली के नगर पालिका इंटर कॉलेज में आयोजित मण्डलीय माध्यमिक ताईक्वांडो प्रतियोगिता में कोबरा वॉरियर्स मार्शल आर्ट अकैडमी, जौनपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 वर्ग में 38 किलो भार वर्ग में आदित्य दबगरवाल ने स्वर्ण पदक और 35 किलो भार वर्ग में सोनाक्षी कन्नौजिया ने रजत पदक जीता। अंडर-17 वर्ग में 35 किलो भार वर्ग में आयुषी ने स्वर्ण पदक और रजत मौर्य ने रजत पदक अपने नाम किया।

वहीं अंडर-19 वर्ग में 42 किलो भार वर्ग में अनुष्का गुप्ता ने स्वर्ण पदक, 44 किलो भार वर्ग में अंतिम साहू, 49 किलो भार वर्ग में विशाखा, 59 किलो भार वर्ग में आकाश यादव, और 63 किलो भार वर्ग में अश्वनी गुप्ता ने कांस्य पदक जीतकर जौनपुर का नाम मंडल स्तर पर रोशन किया। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर 3 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय माध्यमिक प्रतियोगिता के लिए किया गया है। चयनित खिलाड़ी 12 सितंबर को मिर्जापुर के लिए प्रस्थान करेंगे। कोच अमन दबगरवाल ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं और विश्वास जताया कि वे राज्य स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर जौनपुर का मान बढ़ाएँगे।

समजासेवी अतुल तिवारी को सोशल मीडिया पर मिली धमकी, साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद विधानसभा जौनपुर के निवासी आम आदमी पार्टी जौनपुर के निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी व अखिल भारतीय हिन्दू सेवा दल उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री अतुल कुमार तिवारी (बुद्धिमान) को 11 सितंबर की रात सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम आईडी) पर एक फेक अकाउंट के जरिए अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रोफाइल पोस्ट पर आपत्तिजनक टिप्पणी एवं धमकी दी गई। हालांकि बाद में माफी भी मांगा गया और उस अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपना नाम व पता भी बताया गया। अनिल यादव पुत्र विजय यादव केराकत क्षेत्र का निवासी खुद को बताया। उक्त घटना को संज्ञान में लेकर समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी ने साइबर क्राइम में लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाया। समाजसेवी अतुल ने बताया कि उस अकाउंट के द्वारा पहले धमकी दी गई और जब समाजसेवी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही तो अकाउंट द्वारा माफी मांगा गया परंतु खुद की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तथा ऐसे असामाजिक व्यक्ति साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों पर रोक लगाने व अपराधियों को उनकी सही जगह पहुंचाने के लिए कानूनी कार्रवाई करने हेतु समाजसेवी अतुल तिवारी ने पुलिस लाइन में स्थित साइबर क्राइम पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवा दिया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष किये गए हाउस अरेस्ट

◆ कार्यकताओं में देखा गया काफी रोष

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रायबरेली में राहुल गांधी का रास्ता रोके जाने के विरोध और पीएम मोदी के वाराणसी दौरे पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे कांग्रेस कार्यकताओं को बुधवार को पुलिस ने रोक दिया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसी बनारस रवाना होने वाले थे।तभी पुलिस ने उनके सुजानगंज स्थित आवास को छावनी में बदलकर हाउस अरेस्ट कर लिया। इस दौरान डॉ. सिंह और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाहर निकलने की कोशिश में वे गिर भी पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि भयभीत योगी सरकार दमनकारी नीति पर उतर आई है। कांग्रेस कार्यकताओं की गिरफ्तारी लोकतंत्र का काला अध्याय है। यही हाल था कांग्रेस नगर अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान उन्हें भी पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया था। मोहम्मद आरिफ खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था ।जहाँ एक तरह कांग्रेस जिला अध्यक्ष का कहना था कि मेरा प्रोग्राम मछलीशहर में लगा हुआ था ।मुझे वहाँ जाने से पुलिस प्रशासन ने रोक रखा है,मेरा कोई वाराणसी जाने का इरादा नहीं था।

18 वर्षीय छात्रा की सर्प के काटने से हुई मृत्यु मौत

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र की भुइधरा ग्राम निवासी निशा कांत तिवारी की बेटी सेजल कुमारी 18 की सर्प काटने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम उसे सर्प काट लिया। लेकिन यह बात वह घर में किसी को नहीं बताई काफी। समय बीतने के बाद उसे वोमिटिंग हुई और उसकी हालत बिगड़ने लगी। यह देख परिजन घबराने लगे तब उसने बताया कि मुझे सर्प काट लिया। यह सुनते ही परिजनों के होश उड़ गए आनन-फानन में परिजन बेहोशी की हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए। जहां चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। स्थित की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सक ने जिला चिकित्सालय भेज दिया। लेकिन जिला चिकित्सालय पहुंचने के पूर्व ही उसकी मौत हो गई। वह बीएससी की छात्रा थी। देर रात शव के घर पहुंचने पर कोहराम मच गया।

विद्यार्थी बाजार के अनुरूप स्वयं को तैयार करें: डॉ.निशांत सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में करियर गाइडेंस सत्र का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा शुक्रवार, 12 सितंबर 2025 को एक विशेष करियर मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर में दोपहर 2 बजे आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय था ॡग्रेजुएशन के बाद क्याः नौकरी या उच्च शिक्षा ?ॡ इसका उद्देश्य छात्रों को स्नातक पूरी करने के बाद सही करियर विकल्प चुनने में मार्गदर्शन देना था।

सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में ग्रेटर नोएडा स्थित जीएनआईओटी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (GIMS) से डॉ. निशांत कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक एवं डीन ऑफ एग्जामिनेशन, ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान समय में इंडस्ट्री की बदलती आवश्यकताओं पर ध्यान दिलाया और बताया कि केवल डिग्री से काम नहीं चलने वाला, बल्कि छात्रों को कौशल और समयानुकूल ज्ञान भी प्राप्त करना आवश्यक है। डॉ. सिंह ने करियर विकल्प, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी,

प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा के महत्व के साथ-साथ स्वयं को अपडेट रखने के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज का दौर तेजी से बदल रहा है, इसलिए युवाओं को अपने आप को लगातार निखारते रहना चाहिए ताकि वे रोजगार बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें।

इस अवसर पर सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने छात्रों को करियर योजना बनाने के लिए आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय न केवल शैक्षणिक रूप से छात्रों को सक्षम बनाता है, बल्कि उनके व्यावसायिक व व्यक्तिगत विकास के लिए भी विशेष कार्यक्रम आयोजित करता है। उन्होंने इस तरह के सत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे छात्र सही निर्णय ले सकें।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने वक्ताओं से अपने सवाल पूछे और अपनी शंकाओं का समाधान पाया। उन्होंने इस सत्र को प्रेरणादायक व उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट सेल के कार्यालय प्रभारी श्याम त्रिपाठी ने किया। मुख्य छात्र दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुवेर्दी, रोहित रंजन सहित अन्य छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

खुटहन पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार। कब्जे से एक तमंचा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद। प्र0नि0 खुटहन के नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा काजीशाहपुर तिराहा शंकर जी के मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे से एक आरोपी टोनी लाल यादव पुत्र रामबली यादव निवासी कोहड़ा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को 01 तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए, न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी का नाम व पताः टोनी लाल यादव पुत्र रामबली यादव निवासी कोहड़ा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। आरोपी का अपराधिक इतिहास, मु0अ0सं0 264/2025 धारा 3/25 आयुध अधिनियम थाना खुटहन जौनपुर। मु0अ0सं0 21/22 धारा 420 भादवि0 व 3/5ए/8 गो0नि0 अधि0 थाना बड़हलगंज जनपद गोरखपुर। मु0अ0सं0 122/16 धारा 147/323/506 भादवि0 थाना सरपतहां जौनपुर। मु0अ0सं0 75/19 धारा 429 भादवि0 व 3/5ए/8 गो0नि0 अधि0 थाना शाहगंज जौनपुर। मु0अ0सं0 76/19 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। मु0अ0सं0 78/19 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। मु0अ0सं0 370/12 धारा 419/420 भादवि0 व 3/5ए/8 गो0नि0 अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि0 थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ़। मु0अ0सं0 529/2013 धारा 427 भादवि0 व 3/5ए/5 गो0नि0अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि0 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। मु0अ0सं0 530/13 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। मु0अ0सं0 175/11 धारा 3/5ए/8 गो0नि0अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि0 थाना कन्धई जनपद प्रतापगढ़।

बाल तस्करी से आजादी 3.0 अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

डॉ.सुनील कुमार मिश्रा

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार आदर्श इंटर कॉलेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में छात्रों को बाल तस्करी की रोकथाम और इससे निपटने के लिए जागरूक किया गया। इस

अवसर पर बताया गया कि बाल तस्करी एक जघन्य अपराध है। जिसमें बच्चों को जबरन बाल श्रम, यौन शोषण, गुलामी के लिए स्थानांतरित या प्राप्त किया जाता है। इस अपराध के बारे में जागरूकता फैलाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए परिवारों और समुदाय के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। यदि आपको बाल तस्करी का संभावना है, तो चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर या 112 पुलिस सहायता पर संपर्क करें। इस कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष, अखिल नारायण देव पांडेय, सदस्य अमरेश चंद्र पाठक, थाना मानव तस्करी रोधी से मुख्य आरक्षी धनंजय सिंह, महिला आरक्षी शालिनी वैश्य, आरक्षी पंकज, जिला बाल संरक्षण इकाई से रोमी पाठक, चाइल्ड हेल्पलाइन से परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह और विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार व अन्य अध्यापकगण मौजूद रहे।

प्रथम चरण हेतु निर्धारित अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति वितरण सम्पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में निर्देश जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण उ0प्र0 लखनऊ द्वारा संशोधित समय सारिणी 07 सितम्बर 2025 के अनुसार प्रथम चरण हेतु निर्धारित छात्रवृत्ति वितरण सम्पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में पूर्वदशम् छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत कक्षा 11-12 में अध्यनरत अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र/छात्राओं द्वारा अधिक संख्या में आवेदन पूर्ण कराने एवं समस्त पात्र आवेदनों को शिक्षण संस्थान के स्तर से अग्रसारित किया जाना है, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप संशोधित समय सारिणी के अनुसार जिसका विवरण निम्नानुसार है प्रथम चरण हेतु निर्धारित छात्रवृत्ति वितरण की कार्यवाही पूर्ण करायी जा सकें। उन्होंने अवगत कराया है कि 07 सितम्बर, 2025 तक विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना, 08 सितम्बर, 2025 से 14 सितम्बर, 2025 तक जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन करना, सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक कक्षा 9 से 12 हेतु द्वारा वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणितकता को आनलाइन सत्यापित करना है। 08 सितम्बर, 2025 से 14 सितम्बर, 2025 तक एन0आई0सी0 द्वारा स्क्रुटनी पी0एफ0एम0एस0 साफ्टेवयर से सत्यापनोरान्त डाटा वापस प्राप्त परीक्षण करके शुद्ध डाटा जनपदीय लॉगिंग पर प्रेषित करना, 15 सितम्बर, 2025 से 20 सितम्बर, 2025 तक जनपदीय समिति द्वारा शुद्ध डाटा करना जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा शुद्ध डाटा के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाना एवं पात्र छात्रों की छात्रवृत्ति स्वीकृत करना तथा जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से डाटा लॉंक किया जाना।

नकबजनी गिरोह का भंडाफोड़, 2 अभियुक्तों गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल नें बताया की पकड़े गए अभी तो से पूछताछ में बताया कि 3 वर्ष पहले ईट भट्टे पर काम कर रहें थे। उस समय से ही योजना बनाया था कुछ दिन

पूर्व घटना को दिया अंजाम और सबसे खास बात ये रहा की अभियुक्तों नें ना ही कोई वाहन का प्रयोग किया था ना ही मोबाइल फोन का और 10 से 15 किलोमीटर तक पैदल ही चल कर मकान को चिन्हित कर घटना को अंजाम देते थे। गिरफ्तार अरोपी के पास से 1.52.200. रुपए नगद व 2.50 लाख मूल्य के जेवर बरामद। सुभाष बनवासी थाना चौरा जनपद भदोही, श्यामब्रज बनवासी थाना खानपुर जनपद गाजीपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी कपसेठी एस आर गौतम शामिल रहे।

भाजपा नेता ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

◆ ट्रांसफार्मर में क्षमता वृध्दि की मांग

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर में बिजली के ओवर लोड की समस्या को देखते हुए शुक्रवार को भाजपा नेता वेद प्रकाश जायसवाल जिला सोशल मीडिया प्रभारी ओबीसी मोर्चा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओ ने स्थानीय विधायक रमेश सिंह को नगर के मोहल्ला शाहपंजा में लगे ट्रांसफार्मर 400 केवीए को बढ़ाकर 630,डिहवा भादी में 100 केवीए के स्थान 250 केवीनजीराबाद रसूलपुर में लगे 100 केवीए ट्रांसफार्मर के स्थान 250 केवी बढाने की मांग कर एक ज्ञापन सौंपा। वेद प्रकाश जायसवाल ने कहा की इन

परिवर्तक की क्षमता वृद्धि से बिजली सुचारू रूप से चल सकेगी। और बिजली ओवर लोड की समस्या खत्म हो जॉयेगी। वहीं विधायक रमेश सिंह ने आश्वाशन दिया की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का प्रयास किया जाएगा। उक्त मौके पर धीरज पाटिल, अनुपमा अग्रहरि, रवि कसेरा, संजय गुप्ता, अरुण चौहान, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मिलेट्स खाएं और बीमारियों को दूर भगाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा शुक्रवार को विकास खण्ड शाहगंज स्थित बी0आर0सी0 सभागार में उत्तर प्रदेश मीलेट्स पुनरोद्धार योजना अन्तर्गत स्कूल अध्यापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें श्री अन्न के महत्व एवं उपयोगिता से अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरल शब्दों में कहें तो गेहूं और चावल को छोड़कर ज्वार, बाजरा, मक्का, सावा, कोदो, रागी,जौ, जई आदि को मोटे अनाज में शुमार किया जाता है। गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाजों की सतह तुलनात्मक रूप से खुरदरी होती है। आहार व पोषण विशेषज्ञ मोटे अनाजों की खूबियों से इतने प्रभावित हैं कि इन्हें सुपरफूड्स के रूप में मान्यता दे रहे। अध्यापक अपने विद्यालय के क्षात्रध्क्षात्राओ को मोटे अनाज की उपयोगिता से जागरूक करें ताकि उनके परिजन मोटे अनाज की खेती करें, श्री अन्न को एमडीएम में भी शामिल किया जाएगा, जिससे जनपद में मीलेट्स के उत्पादन को बल मिलेगा। मानव स्वास्थ्य वेहतर होगा तथा किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों की उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने श्री अन्य योजना का नाम दिया है । दूसरे अनाजों की तरह ही मोटे अनाज चीला, खीर, खिचड़ी, दलिया, कटलेट, सूप, उपमा, डोसा, इडली, बिस्कुट स्नेक्स, चिक्की आदि रूपो में खाया जा सकता है। खण्ड शिक्षा अधिकारी बसन्त कुमार शुक्ल ने कहा कि श्री अन्न से बने खाद्यान्न एमडीएम में सम्मिलित किए जाने से बच्चों के वेहतर स्वास्थ्य के साथ मीलेट्स पुनरोद्धार को बढ़ावा मिलेगा। स्कूल छात्रों एवं छात्राओं के माध्यम से उनके अभिभावकों को मिलेट्स के उपभोग हेतु जागरूक किया जाएगा। कृषि वैज्ञानिक डा. हरिओम वर्मा ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर) हैदराबाद के अनुसार मोटे अनाज सिलिएक डिजीज के इलाज में लाभ प्रद है। इसका कारण है मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री है। गेहूं में ग्लूटेन नामक तत्व पाया जाता है जिससे कुछ लोगों में सीलिएक बीमारी रोग हो जाता है। विशेषज्ञ मोटे अनाज को मधुमेह और कैंसर रोकने वाले तत्वों से भरपूर मानते हैं। पौस्टिक तत्व भरपूर मात्रा में होने के कारण मोटे अनाज को एनीमिया व कुपोषण की समस्या को दूर करने में सहायक माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार मोटे अनाज वात एवं कफ दोष को संतुलित करने में सहायक है। मोटे अनाजों में फाइबर की प्रचुरता उन्हें मधुमेह और मोटापे से बताती है मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है तभी मधुमेह व हृदय रोगियों को खाने की सलाह दी जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक संघ के डा.अरविन्द सिंह तथा संचालन एडीओ एजी.धर्मेन्द्र कुमार ने किया। इस मौके पर 50 शिक्षक एवं शिक्षिकाएं बेसिक शिक्षा से मौजूद रहें।

बृजेश इण्टर कालेज में जागरुकता गोष्ठी का हुआ आयोजन

भारत सरकार के संकल्प हब फार इम्पावरमेंट आफ वूमेंन के अन्तर्गत हुआ कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया है कि भारत सरकार के संकल्प हब फार इम्पावरमेंट आफ वूमेंन के अन्तर्गत बृजेश इण्टर कालेज, गुलालपुर में जागरुकता गोष्ठी का आयोजन प्रधानाचार्य डॉ. जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी बिजय कुमार पाण्डेय द्वारा यौन हिंसा से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के बारे में विस्तार से बताया साथ ही वन स्टॉप सेंटर और 181 महिला हेल्पलाइन के उपयोग के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के अन्तर्गत कार्यालय स्थल पर गठित किये जाने वाली आन्तरिक समिति के बारे में भी विस्तार से बताया। बाल संरक्षण अधिकारी चन्दन राय द्वारा बच्चों को किशोर न्याय, बालकों का देख-रेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 के प्रावधानों के बारे में जानकारी देने के साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) एवं स्पान्सरशिप योजना के साथ ही 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष/सचिव सरजू प्रसाद समाजिक एवं स्वैच्छिक संस्था जौनपुर के संजय उपाध्याय द्वारा बालिकाओं का उत्सावर्धन करे हुए कहा गया की बालिकायें किसी भी स्थिति में बालकों से कम नही है। 2047 तक भारत को विकसित करने के लिए यह आवश्यक है कि बच्चों के अधिकार सुनिश्चित किये जाए।

धाम की दिव्यता से अभिभूत हुए डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने वाराणसी प्रवास के तीसरे और अंतिम दिन शुक्रवार सुबह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सपत्नी विधिवत दर्शन-पूजन किया। बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचते ही उन्होंने रुद्राभिषेक कर विश्व कल्याण और मानवता की शांति की प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर प्रशासन ने पारंपरिक रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्रम भेंट कर उनका स्वागत किया। डॉ. रामगुलाम ने काशी विश्वनाथ धाम के पुनरुद्धार और भव्य परिसर की प्रशंसा करते हुए कहा कि ह्लयहां की दिव्यता आत्मा को छूने वाली है। यह केवल भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए आध्यात्मिक धरोहर है ह्व तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान डॉ. रामगुलाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग द्विपक्षीय वार्ता, गंगा आरती में सहभागिता और कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। दोपहर बाद उनके तीन दिवसीय वाराणसी दौरे के सफल समापन पर डॉ. रामगुलाम बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए। यहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, कमिश्नर एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत कर औपचारिक विदाई दी। इस प्रकार काशी का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव मॉरीशस के प्रधानमंत्री के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय स्मृति बन गयी।

वसई में 8 करोड़ से अधिक की हेरोइन जब्त करके तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से करीब 2 किलो 11 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 8 करोड़ 10 लाख आंकी गई है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे के मार्गदर्शन में क्राइम डीसीपी संदीप डोईफोड़े और एसीपी मदन बल्लाल के नेतृत्व में यूनिट 3 के पुलिस निरीक्षक शाहूराज रणवरे और एपीआई सुहास कांबले की टीम ने की है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि,क्राइम ब्रांच यूनिट 3, विरार के पुलिस निरीक्षक शाहूराज रणवरे के नेतृत्व में एक टीम ने वालीव पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत वसई पूर्व, फादरवाड़ी रेंज नाका रोड स्थित श्रीपाल 1 टॉवर के सामने जाल बिछाया। बीती रात करीब 9:30 बजे एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार (क्रमांक GJ 05 RA 8458) को रोककर जांच की गई।

इस कार में सवार तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 2 किलो 11 ग्राम हेरोइन, मोबाइल फोन, और उक्त कार बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इस प्रकार की गई हैः 1. समुंदरसिंह रूपसिंह देवड़ा (49 वर्ष) झ निवासी सिरोही, राजस्थान, 2. युवराजसिंह भवानीसिंह राठौड़ (28 वर्ष) निवासी जोधपुर, राजस्थान और 3. तकतसिंह करनसिंह राजपूत (38 वर्ष)निवासी जोधपुर, राजस्थान पुलिस ने जब्त किए गए मादक पदार्थ, वाहन और मोबाइल सहित कुल 8,10,05,000 रुपये के मूल्य का माल अपने कब्जे में लिया है। इस मामले में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8(क), 21(क) के तहत वालीव पुलिस थाना में गुन्हा रजिस्टर क्रमांक 555/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह गिरोह किन-किन राज्यों में सक्रिय था ।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सीतामढ़ी, बिहार में सड़क सुरक्षा जागरूकता फैलाई

सीतामढ़ी(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने अपनी सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को सीतामढ़ी में पहुंचाया, जिसमें राम सकाल सिंह साइंस कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया। 2400 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण और इंटरैक्टिव लर्निंग के माध्यम से जिम्मेदार सड़क उपयोग की संस्कृति को मजबूत करना था। इस कार्यक्रम में भविष्य के राइडर्स और नागरिकों को आकार देने में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया गया। छात्रों को सड़क सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया, जैसे सही हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन, पैदल यात्री अनुशासन और वास्तविक परिस्थितियों में जोखिम की पहचान।

एचएमएसआई ने प्रतिभागियों को यह संदेश दिया कि सुरक्षा केवल नियम पालन नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है जो व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित करती है। सीतामढ़ी में यह पहल एचएमएसआई के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत सड़क सुरक्षा शिक्षा को समाज के विभिन्न स्तरों पर जोड़ा जा रहा है। हर गतिविधि एचएमएसआई के निरंतर प्रयासों को और मजबूती देती है, ताकि सुरक्षा शिक्षा सभी के लिए सुलभ, प्रासंगिक और प्रभावशाली बने और एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो जो गतिशीलता के केंद्र में जिम्मेदारी को रखे। ऐसे अभियानों के माध्यम से एचएमएसआई आने-जाने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का समाधान कर रहा है युवाओं में सड़क पर जिम्मेदारी की सोच विकसित करना।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने बर्मिंघम और साउथॉल में नए शोरूम की शुरूआत की

पटना(उत्तरशक्ति)। जिम्मेदार आभूषण विक्रेता और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी ज्वेलरी चेन मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने बर्मिंघम और साउथॉल में दो नए शोरूम की शुरूआत के साथ ब्रिटेन में अपने ब्रांड का विस्तार किया है। बर्मिंघम स्थित शोरूम 5,700 वर्ग फुट में फैला हुआ है और ब्रिटेन में ब्रांड का सबसे बड़ा स्टोर है। लोकप्रिय बॉलीवुड स्टार और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की ब्रांड एम्बेसडर करीना कपूर खान ने नए शोरूम्स का उद्घाटन किया।

नए शोरूम का उद्घाटन असाधारण शिल्पकला और सेवा प्रदान करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की ब्रांड की प्रतिबद्धता को दिखाता है। करीना कपूर खान ने इस महत्वपूर्ण मौके पर कहा कि दुनिया के सबसे बड़े और सबसे विश्वसनीय ज्वेलरी समूहों में से एक मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स उनके लिए एक परिवार की तरह है और उनका कंपनी के साथ काफी लंबे समय का रिश्ता है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स समूह इस समय ब्रिटेन के बर्मिंघम, लीसेस्टर, साउथॉल और ग्रीन स्ट्रीट में परिचालन करता है। बर्मिंघम में शोरूम के उद्घाटन के लिए आयोजित कार्यक्रम में बर्मिंघम के मेयर काउंसलर जफर इकबाल एमबीई, बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्यदूत डॉ. वेंकटचलम मुरुगन, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के डायरेक्टर्स और मैनेजमेंट टीम के सदस्यों, कम्युनिटी लीडर्स और ग्राहक उपस्थित रहे।

सीएम नीतीश ने 20 साल में बदली बिहार की तस्वीर मनीष वर्मा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज महाराजगंज विधानसभा के सराय पड़ौली में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भी विकास हुआ है। पूरे बिहार में हर क्षेत्र में काम हुआ है। 20 साल पहले बिहार के स्थिति काफी शर्मनाक थी। आज शिक्षा के क्षेत्र में पॉलिटेक्निक कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, तकनीकी संस्थान, प्लस टू विद्यालय का निर्माण सहित शिक्षकों की बहाली की जा रही है। इस वजह से विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में भी बढ़ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना को 1100 रुपये कर दिया गया है। महिला सशक्तिकरण एवं उसके आत्मनिर्भरता पर ध्यान रखते हुए जीविका दीदियों के लिए कई योजना चलाई जा रही है।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि देश का सबसे बड़े चारा घोटाले का सूत्रधार आज बिहार में विकास करने की बात कह रहे हैं। ऐसे जाल-फरेब एवं घोटालेबाज लोगों की बातों में नहीं आकर बल्कि आप सभी को एनडीए के पक्ष में मतदान कर 2025 में नीतीश कुमार के नारे को बुलंद करना है। महाराजगंज के बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने 20 सालों के कार्यकाल में बिहार की

दिशा और दशा पूरी तरह बदल दी है।

जदयू के पूर्व जदयू विधायक सह सीवान जदयू सांसद के प्रतिनिधि रमेश कुशवाहा ने कहा बिहार के लोग पक्की सड़क के बजाय गड्ढे में सफर करने को विवश थे। पूरे बिहार में सड़कों का महाजाल फैल गया है। क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है।

मध्य निषेध मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने माय समीकरण का नारा दिया था। लेकिन माय हिन्दी का नहीं बल्कि अंग्रेजी का शब्द है। जिसका मतलब मेरा होता है। यानी पहले पति-पत्नी थे, अब पुत्र-पुत्री के साथ कई और शामिल हो गए हैं। जो सिर्फ परिवारवाद के लिए राजनीति करता हो वह भी विकास की बात करने लगे हैं। वही भाजपा नेता सह स्वर्ण आयोग के अध्यक्ष महाचंद्र सिंह ने कहा नीतीश कुमार विकास पुरुष के नाम से पूरे भारत में जाने जाते हैं। हर क्षेत्र में काम किया है। वही महाराजगंज के पूर्व जदयू नेता हेमनारायण शाह ने कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सभी जाती बिरादरी के गरीब गुरुवा लोगों के जीवन स्तर को सुधारें हैं। सम्मेलन में गोरेयाकोठी के बीजेपी विधायक देवेस कांत सिंह, टुनटुन प्रसाद, जदयू अमोद प्रियदर्शी जदयू,अवधेश पांडेय बीजेपी, सुप्रिया कुमारी बीजेपी अब्दुल रिजवान, जदयू विश्वंभर सिंहर, लोजपा के महादेव पासवान, राज पासवान, अमोद कुमार सिंह, बीजेपी नेता दिलीप कुमार सिंह, स्मृति कुमुद , विजय कुमार वर्मा जदयू, न्यूलाल प्रसाद ,बीजेपी के सुजीत पांडे, जदयू के सतेंद्र ठाकुर, गुड़िया कुमारी जदयू, सतेंद्र , जदयू के निकेश चंद्र , जदयू के हरिशंकर आशीष, जदयू के सुमन सेनानी, गौरव कुमार जदयू, सुमित कुमार जदयू, कालीचरण प्रजापति बीजेपी, विजय कुमार सिंह, जदयू, प्रेम प्रकाश गुप्ता, जदयू, दारा सिंह, बीजेपी, अतीश कुमार, जदयू, और भाजपा के हजारों कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल थे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा त्यौहारों के दृष्टिगत विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं के साथ बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा आगामी दुर्गा पूजा एवं अन्य त्यौहारों के दृष्टिगत विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं के साथ की गयी पीस कमेटी की मीटिंग। आज दिनांक 12.09.2025 को कलेक्ट्रेट सभागार, जौनपुर में जिलाधिकारी जौनपुर एवं पुलिस अधीक्षक जौनपुर की अध्यक्षता में आगामी दुर्गा पूजा एवं अन्य आगामी त्यौहारों के मद्देनजर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने हेतु पीस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समुदाय के प्रमुख धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों, गणमान्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सभी धर्मगुरुओं से सहयोग की अपील की गई तथा जुलूस/पंडाल/मूर्ति विसर्जन आदि

की व्यवस्थाओं को लेकर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया एवं त्यौहारों के दौरान ध्वनि नियंत्रण, सड़क पर अतिक्रमण से बचाव, ट्रैफिक प्रबंधन एवं विद्युत व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई व सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी गई एवं लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई और सभी आयोजनों को पूर्व अनुमति लेकर ही आयोजित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी को आश्वस्त किया गया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सजग है तथा सभी जरूरी तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं। जनपदवासियों से अपील की गई कि वे आपसी भाईचारे, शांति, एवं सद्भाव बनाए रखते हुए त्यौहारों को मिल-जुल कर मनाएँ। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, आयुष श्रीवास्तव, जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी गण, प्र0नि0 कोतवाली, प्र0नि0 लाइनबाजार व अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

फोनपे ने लॉन्च किया डिजिटल-फर्स्ट उद्यम असिस्ट रजिस्ट्रेशन

मुंबई। फोनपे ने आज दिल्ली के एक इवेंट में उद्यम असिस्ट प्रोग्राम (वअढ) के माध्यम से डिजिटल-फर्स्ट उद्यम रजिस्ट्रेशन की घोषणा की। इस कार्यक्रम की शोभा माननीय केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, जीतन राम मांझी ने बढ़ाई। उनके साथ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (रक्ळइक) की चीफ जनरल मैनेजर श्रीमती वाई.एम. कुमारी भी उपस्थित रहीं। ।इस लॉन्च के साथ ही फोनपे पहली फिनटेक कंपनी बन गई है जो अपने मर्चेंट्स को सीधे तौर पर एंड-टू-एंड डिजिटल समाधान उपलब्ध कराती है, जो अधिकांश अन्य प्लेटफॉर्म द्वारा अपनाई गई पारंपरिक उद्यम सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया से बिल्कुल अलग है। इस पहल के तहत असंगठित माइक्रो मर्चेंट्स को औपचारिक पहचान मिलेगी,

जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ, टैक्स में छूट, बिजनेस अकाउंट की खोलने की सुविधा और डिजिटल पेमेंट व वित्तीय सेवाओं तक सीधी पहुँच मिलेगी।

लॉन्च इवेंट के दौरान, इस नई डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से व्यापारियों को उद्यम असिस्ट सर्टिफिकेट जारी किए गए, जो भारत की डिजिटल वित्तीय समावेशन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसके साथ ही फोनपे ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की भी घोषणा की, जिसके तहत माइक्रो मर्चेंट्स को उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर इंटीग्रेटेड सीमलेस डिजिटल लेंडिंग सॉल्यूशंस के माध्यम से क्रेडिट तक आसान पहुँच मिलेगी। यह पहल अधिक से अधिक असंगठित माइक्रो मर्चेंट्स को उद्यम इकोसिस्टम में जोड़ने में मदद करेगी।

संयुक्त अरब अमीरात में महाराष्ट्र संगठनों का सहयोगी विकास पर मंथन

मुंबई। इंडियन पीपल्स फोरम (महाराष्ट्र काउंसिल) की पहल पर शुरू किए गए संयुक्त महाराष्ट्र के सदस्यों की पहली त्रैमासिक बैठक 7 सितंबर 2025 को दुबई के करामा स्थित होटल पेशवा में आयोजित की गई। संयुक्त महाराष्ट्र की परिकल्पना आईपीएफ महाराष्ट्र काउंसिल के प्रमुख, वरिष्ठ उद्योजक और सामाजिक मार्गदर्शक श्री राहुल तुळपुळे की है। इस संस्था की स्थापना यूएई में कार्यरत विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक मराठी संगठनों को एक साझा मंच पर लाकर यहां के मराठी समाज को सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गई है। वर्तमान में पूरे संयुक्त अरब अमीरात में सक्रिय 35 अलग-अलग संस्थाएं और समूह इस पहल का हिस्सा हैं, जिनमें गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम, महाराष्ट्र मंडल अबू धाबी और महाराष्ट्र मंडल दुबई जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी शामिल हैं। रविंद्र चव्हाण के हाथों इस संकल्पना का उद्घाटन वर्ष की शुरूआत में दुबई में हुआ था। इस पहल के तहत कार्यरत संस्थाएं आज दुबई में रहने वाले लगभग 4 लाख प्रवासी मराठियों के लिए कई क्षेत्रों में काम कर रही हैं, जैसे कि घरेलू कामगारों के लिए सहायता व्यवस्था, महिला गृहिणियों का सशक्तिकरण, मराठी लोगों को व्यवसाय शुरू करने में मदद, बच्चों के लिए साप्ताहिक विद्यालय चलाना, पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना, महाराष्ट्र की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का संरक्षण करना, क्षेत्रीय पर्व-त्योहार मनाना और कई अन्य सामाजिक कार्य करना।

ज्वेलरी दुकान पर चली गोली, पीड़ित दुकानदार से मिले सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय शहर के पुरानी बाजार में अलका ज्वेलरी दुकानदार अभिषेक सोनी के दुकान पर पहुंच कर महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने स्वर्ण व्यवसायियों को सांत्वना देते हुए, एकत्रित भीड़ से कहा गोलियां चलाने वाले और रंगदारी के मांग पर कोई समझौता नही होने देंगे। मेरा स्वभाव शांति व्यवस्था के साथ सामाजिक समरसता और विकास का एजेंडा रहा है।अपराधियों से कोई समझौता पसंद नहीं है। सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा देश का व्यापारियों का सम्मान और सुरक्षा मेरा और सरकार का प्रथम प्राथमिकता है। सांसद ने सीवान के एसपी, महाराजगंज के एसडीपीओ और थानाध्यक्ष को टेलीफोनिक संपर्क कर गोली चलने वालों को अविलंब

चिन्हित कर गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। व्यवसाईयों से निर्भीक होकर अपनी-अपने दुकानदारी चलाने की सलाह दी। मौके पर बीजेपी के नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, सीवान पूर्वी भाजपा के जिला अध्यक्ष रंजीत गुप्ता, जिला प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, भाजपा महिला प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष सुप्रिया कुमारी , बलि प्रसाद, बीजेपी के जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, भाजपा नेता पातीराम सिंह,आदि दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

नाशिक में किसान आंदोलन : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का आक्रोश मोर्चा 15 को

-लाल शेखर सिंह

नाशिक (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के कई जिलों में हुई अतिवृष्टि से किसान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पिकों, फलों की बागों और सब्जियों की खेती को भारी नुकसान हुआ है। लाखों हेक्टेयर जमीन पर फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, लेकिन सरकारी मदद न के बराबर मिल रही है। इसी मुद्दे को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गट) की ओर से किसानों के हक के लिए नाशिक में लढा बळीराजा आक्रोश मोर्चा निकाला जा रहा है।

पार्टी की ओर से राज्य में ओला दुष्काळ घोषित करने और सभी किसानों को हेक्टेयर पर 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की मांग की गई है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार की ओर से कोई मदद नहीं दी गई है, वहीं राज्य की महायुती

सरकार किसानों के लिए असंवेदनशील रवैया अपनाए हुए है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि सरकार स्मार्ट मीटर और सोलर मीटर जबरन लगाने में व्यस्त है, लेकिन किसानों को कर्जमाफी और फसलों का उचित दाम देने की कोई चिंता नहीं है। ऐसे में इस किसान विरोधी नीति के खिलाफ जोरदार आंदोलन की आवश्यकता है। मोर्चा 15 सितम्बर 2025, सोमवार को सुबह 11 बजे नाशिक के हुतात्मा कान्हेरे मैदान (गोल्ड क्लब ग्राउंड के पास) से शुरू होगा और जिलाधिकारी कार्यालय पर समाप्त होगा। मोर्चे के दौरान जिलाध्यक्ष जिलाधिकारी को अतिवृष्टि के निरीक्षण संबंधी रिपोर्ट भी सौंपेंगे। मोर्चे की सांगता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मविभूषण सांसद शरदचंद्रजी पवार और प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे के नेतृत्व में की जाएगी। पार्टी की मुंबई अध्यक्ष राखी जाधव ने अपील की है कि इस मोर्चे में सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल हों। यह जानकारी मुंबई विभागीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार गटमीडिया समन्वयक ने दी।

मोटोरोला ने लॉन्च किया सबसे पतला और सबसे हल्का 5जी टैबलेट

पटना। मोबाइल टेक्नोलॉजी में अग्रणी ब्रांड मोटोरोला ने भारत में अपना नया टैबलेट मोटो पैड 60 नियो लॉन्च किया है, जो 12,999 रुपये की प्रभावी कीमत पर उपलब्ध होगा। यह टैबलेट 15,000 रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट में अपनी कैटेगरी में एक नया मानक स्थापित करता है। सेगमेंट का एकमात्र 11 इंच का 2.5के डिस्प्ले, 90एचजेड रिफ्रेश रेट और बॉक्स में शामिल मोटो पेन के साथ सिर्फ 490 ग्राम वजन और 6.9 मिमी मोटाई झ सेगमेंट का सबसे पतला और सबसे हल्का 5जी टैबलेट मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर झ बेहतरीन परफॉर्मेंस और मल्टीटास्किंग के लिए 7040 एमएएच की बैटरी एक बार चार्ज करने पर 12 घंटे तक की स्ट्रीमिंग डॉल्बी एटमॉस के साथ क्वॉड स्पीकर्स सिनेमाई साउंड अनुभव स्मार्ट कनेक्ट डिवाइसों के बीच तेज

और आसान शेयरिंग, कंट्रोल और स्ट्रीमिंग मोटो पेन में 4096 प्रेशर लेवल, टिल्ट सपोर्ट और पाम रिजेक्शन नैचुरल लेखन और स्केचिंग अनुभव गूगल सर्कल टू सर्च सपोर्ट झ स्क्रीन पर किसी भी चीज को घेरकर तुरंत सर्च या अनुवाद करें प्रीमियम पैंटोन-क्यूरेटेड ब्रॉन्ज ग्रीन डिजाइन में उपलब्ध कीमत और उपलब्धता- मोटो पैड 60 नियो 8जीबी रैम प्लस128जीबी स्टोरेज की प्रभावी लॉन्च कीमत 12,999 रुपये है। मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री टी.एम. नरसिम्हन ने कहा- मोटो पैड 60 नियो के साथ, हम न केवल एक नया उत्पाद ला रहे हैं, बल्कि एक नया अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। यह टैबलेट हमारे डिजाइन, तकनीकी नवाचार और उपयोगकर्ता की जरूरतों को समझने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है जिसका उद्देश्य है लोगों के जीवन को आसान और स्मार्ट बनाना।

आयुर्वेद उपनिदेशक कार्यालय में आए अतिरिक्त निदेशक को दिया ज्ञापन

झुंझुनू। उपनिदेशक कार्यालय झुन्झुनूँ में शुक्रवार को डॉ. बत्तीलाल बैरवा,अतिरिक्त निदेशक जयपुर संभाग एवं डॉ जितेन्द्र स्वामी उपनिदेशक को क्रमशः उपमुख्यमंत्री श्रीमान प्रेमचंद बैरवा तथा निदेशक आयुर्वेद विभाग के नाम अटर ऐप के जरिए डिजिटल उपस्थिति दर्ज करवाने के विरोध स्वरूप ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेश झाझड़िया के नेतृत्व में महासचिव डॉ. विक्रम सिंह,डॉ. अशोक सोनी, डॉ. संजू चौधरी, डॉ. महेंद्र नेहरा एवं डॉ. शिखा आदि द्वारा उपस्थित होकर प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में चिकित्सकों ने स्पष्ट किया कि इस आदेश के क्रियान्वयन में गंभीर व्यवहारिक एवं तकनीकी समस्याएँ हैं। बिना आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए इसे लागू करना न केवल अव्यावहारिक है बल्कि चिकित्सकों के लिए अनुचित भी है। चिकित्सकों ने विभाग से मांग की कि जब तक इन समस्याओं का समुचित समाधान नहीं हो जाता, तब तक आदेश को स्थगित रखा जाए। ज्ञापन सौंपने के उपरांत चिकित्सकों ने उम्मीद जताई की कि विभागीय अधिकारी इस विषय पर सहानुभूतिपूर्वक और न्यायसंगत निर्णय लेकर राहत प्रदान करेंगे।

बाढ़ से सड़कों पर आए 21 लाख लोग, 900 की मौत, पंजाब में बारिश ने किया बुरा हाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। देश के कई हिस्सों में बाढ़ का गंभीर संकट बना हुआ है। अब तक बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं में 900 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों लोग बेघर हो चुके हैं और राहत कार्य लगातार जारी है। पंजाब प्रांत से 20 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि सिंध प्रांत में 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। राहत एजेंसियों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है।

भारी बारिश के कारण सतलुज, चिनाब और रावी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके अलावा, सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों में भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में खेत और घर बर्बाद हो चुके हैं, जिससे लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पाकिस्तान की करीब 40% आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीती है। ऐसे में बाढ़ की मार ने उनकी परेशानियां और बढ़ा दी हैं। कई लोग अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए अब भी घरों में रुके हुए हैं और अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

बचाव दल लगातार नावों के जरिए लोगों और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रहे हैं। लेकिन तेज बहाव के चलते कई बार ये नावें पलट भी जाती हैं। मंगलवार को सिंधु नदी में एक नाव पलटने से 9 लोगों की मौत हो गई। कुछ दिन पहले जलालपुर पीरवाला में भी ऐसा ही हादसा हुआ था, जिसमें 5 लोगों की जान चली गई थी। पाकिस्तान की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत के तौर पर कंबल, टेंट और वॉटर फिल्टर जैसी जरूरी चीजें पहुंचाई गई हैं।

पाकिस्तान की बिगड़ती हालत को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने इस हफ्ते 5 मिलियन डॉलर (करीब 41.5 करोड़ रुपये) की आपातकालीन सहायता दी है। पाकिस्तान का भौगोलिक ढांचा इसे बाढ़ के लिहाज से बेहद संवेदनशील बनाता है। पिघलते ग्लेशियरों से बनी नई झीलों के फटने का भी खतरा बना हुआ है।

कृषि-आधारित व्यवसायों के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं : सतीश चंद्र दुबे

पटना। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने 'एस्पिरेशनल ईस्ट' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें स्टार्टअप्स, एफपीओ (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाईजेशन) और एग्री-बिजनेस जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर कोयला एवं खनन राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, और सांसद राज्यसभा, उपेन्द्र कुशवाहा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। अपने संबोधन में दुबे ने राष्ट्रीय स्तर पर कृषि को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए आईसीएसआई की इस अनूठी पहल की सराहना की और भारत सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

अधेड़ व्यक्ति के शौच से वापिस लौटने के दौरान ठेस लगने से गिरकर मृत्यु

बभनी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के बैना गांव में शुक्रवार की सुबह लगभग 6:00 बजे एक 52 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति के शौच से वापिस लौटने के दौरान ठेस लगने से गिरकर गंभीर हो गए जिन्हें अस्पताल लेजाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार आपको बता दें कि, श्यामदेव उम्र करीब 52 वर्ष निवासी बैना सोनभद्र है जो शुक्रवार की सुबह लगभग 6:00 बजे शौच से वापिस लौट रहे थे कि रास्ते में उन्हें ठेस लग गई और वे गिर गए और अचेत हो गए। पिता को इस दशा में देख उनका पुत्र राजेश कुमार चिल्ला उठा जिसकी चिल्लाहट से परिवारजन के साथ आसपास की ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई । श्यामदेव को ऐसी हालत में देख परिजन तुरंत इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सागोबांध के लिए रवाना हुए । मगर रास्ते में ही श्यामदेव की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची बभनी पुलिस टीम सहित उपनिरीक्षक शिवमूरत यादव जो शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु दुद्धी भेज दिया।

सड़क सुरक्षा के सख्त निर्देशो के नियम की कानून के रक्षक खुद ही उड़ा रहे है धज्जियां

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। शासन-प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर जारी सख्त निर्देशों का पालन आम जनता से तो अपेक्षित है। लेकिन कानून के रक्षक खुद ही इन नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। बिलरियागंज थाने पर तैनात एक सिपाही का बिना हेलमेट बाइक चलाना और मोबाइल फोन पर बात करते हुए थाने में प्रवेश करना चर्चा का विषय बन गया है। यह घटना न केवल ट्रैफिक नियमों की खुली अवहेलना है। बल्कि पुलिस महकमे की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सिपाही बिना किसी सुरक्षा उपाय के तेज रफ्तार से बाइक दौड़ाते हुए थाने के गेट पर पहुंचा। जहां वह मोबाइल पर व्यस्त था। सड़क पर तो आम लोगों को हेलमेट न पहनने पर चालान काटा जाता है, लेकिन जब पुलिसवाले ही ऐसा करेंगे तो जनता का भरोसा कैसे बनेगा।

जय माता दी को आप क्रेडिट सोसायटी में श्री सत्यनारायण पूजा और सुंदरकांड पाठ संपन्न

मुंबई। घाटकोपर (पश्चिम) नारायण नगर स्थित जय माता दी को आप क्रेडिट सोसायटी की दूसरी वर्षगांठ पर संस्था के चेयरमैन हरीशनाथ पांडेय के संयोजन में 11 सितंबर दिन गुरुवार को भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा और सुंदरकांड पाठ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक दिलीप मामा लांडे, उप आयुक्त अग्निशमन आत्मा राम मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन पांडेय, मुंबई हिन्दी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, भाजपा नेता रामबिलास पाठक, भाजपा नेता अशोक राय, भाजपा महामंत्री शुभ्रांशु दीक्षित, पूर्व नगरसेविका अश्विनीताई माटे, पोलिस निरीक्षक पवन पाटिल, पोलिस निरीक्षक थेंगले सर तथा सेवा निवृत्त एसीपी जेटी पड़वल रएड आदेश मिश्र,शिवसेना नेता राजेश सिंह, समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह,जेएस सर्विस के डायरेक्टर अरविंद शुक्ला,संतोष पाठक,पवन पाठक उपस्थित रहे। जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीशनाथ पांडेय ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर व्यवसायी रमेश सिंह, कमलेश मिश्रा,भाजपा आईटी सेल संतोष दुबे, अरविंद शुक्ला, शैलेश तिवारी, प्रेमजी पटेल, ओढवराम सत्संग मंडल संस्थापक मंजी बापू, भरत चूँगड़ा, रमेश धनजी, बजरंग दल के मधुसूदन भाई, विष्णु मिश्रा, प्रकाश पांडेय, दिलीप गुप्ता, मोहन भानुशाली, सतीश सोनी, सूरज वर्मा, संकेत सांगवेकर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने महाप्रसाद का लाभ लिए। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक माहौल और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

रंजू झा ने मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम को दी बधाई

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी की महाराष्ट्र इकाई द्वारा अमित साटम को मुंबई भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में हर्ष का माहौल है। इसी क्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव श्रीमती रंजू झा और श्रीमती सोनल सावंत ने दादर स्थित उनके कार्यालय पर उनसे शिष्टाचार भेंट की और उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। भेंट के दौरान रंजू झा ने अमित साटम को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मुंबई भाजपा संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। सोनल सावंत ने भी संगठन में पारदर्शिता और कार्यकर्ता केंद्रित दृष्टिकोण को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई। अमित साटम ने दोनों नेत्रियों का धन्यवाद करते हुए भरोसा दिलाया कि वे सभी कार्यकताओं के सहयोग से संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी रोडवेज में ड्राइवर, कंडक्टरों की सीधी भर्ती करने का दिया आदेश

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को चालकों और परिचालकों के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने अनुकंपा नियुक्तियां भी हर साल नियमों के अनुसार करने का सुझाव दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमेशरी ने अलीगढ़ की निधि शर्मा व कई अन्य की अनुकंपा नियुक्ति के लिए दाखिल याचिका पर दिया। याचिकाकताओं का कहना था कि उन्हें अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जाए। दूसरी उन सरकारी आदेशों को रद्द किया जाए, जिनके तहत एक साथ 1165 पदों पर अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हुई थी। याचियों का तर्क था कि केवल मृतक आश्रितों की भर्ती करना, एक तरह से 100 प्रतिशत आरक्षण देने जैसा है। यह संविधान के विरुद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की प्रक्रिया से निगम में नियमित भर्तियां नहीं हो रही हैं। याची निधि शर्मा के मामले में उनके पिता की मृत्यु 13 अगस्त 2006 को हुई थी।उनका आवेदन इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उन्होंने अपने पिता की मृत्यु के 5 साल बाद आवेदन किया था। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वकील ने याची की मांगों को विरोध किया। कोर्ट ने याचियों की सभी मांगों को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि निधि शर्मा ने निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं किया था। इस दौरान कोर्ट ने यूपीएसआरटीसी में चालकों और परिचालकों की सीधी भर्ती कई सालों से न होने पर चिंता जताई। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि पद खाली हैं, तो सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाए।

जौनपुर में ड्रोन उड़ाने की अफवाह में कार सवारों को ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस ने किया बचाव

चंदवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के डोभी खास गांव में गुरुवार देर रात ड्रोन उड़ने और चोरों की आशंका ने हड़कंप मचा दिया। ग्रामीणों ने एक संदिग्ध कार को घेरकर उसमें सवार तीन युवकों को पकड़ लिया। भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन समय रहते पुलिस पहुंच गई और युवकों को सुरक्षित थाने ले गई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे ग्रामीणों में अफवाह फैली कि आसमान में ड्रोन उड़ रहा है। हाल की चोरी की घटनाओं को देखते हुए लोग पहले से ही सतर्क थे। इसी दौरान एक कार तेज गति से भागती दिखी। जिसमें नीली-लाल रोशनी चमक रही थी। ग्रामीणों ने इसे संदिग्ध मानकर रोक लिया और मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और कार की तलाशी ली गई। युवकों के पास से कोई ड्रोन या संदिग्ध सामान नहीं मिला। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि तीनों युवक बढ़यापार गांव में अपने रिश्तेदारों के यहां आए थे और रास्ते में शराब पी रहे थे। हंगामा होते देख वे घबरा गए और कार दौड़ा दी, जिससे ग्रामीणों को शक हुआ। पुलिस ने बताया कि कार में केवल एक ब्लूटूथ स्पीकर मिला, जिसमें गाना बज रहा था और उसी पर लाल-नीली लाइटें जल रही थीं। ग्रामीणों की सतर्कता और पुलिस की तत्परता से यह मामला बड़ा रूप लेने से बच गया और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा: केराकत-खुजी मार्ग पर भरा पानी

-गुड़िया बिन्द

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से केराकत-खुजी मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। टाइम वीर बाबा के पास सड़क पर पानी भर जाने से वाहनों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग वाराणसी और केराकत को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। स्थानीय महंत संजय यादव ने बताया कि इस स्थान पर पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। लेकिन निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा, इसकी कोई समय-सीमा तय नहीं है। स्थानीय निवासी संदीप का कहना है कि निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। अखिलेश ने इसे सरकारी लापरवाही करार दिया है। भीम ने प्रशासन से मांग की है कि वह इस समस्या पर तत्काल ध्यान दे। गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यदि पुलिया का निर्माण समय पर पूरा हो जाता, तो लोगों को यह परेशानी नहीं उठानी पड़ती। वर्तमान में यह मुख्य मार्ग पूरी तरह से बाधित है।

गेहूं के दानों पर गणेश मूर्ति का सबसे बड़ा वितरण के साथ विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद आटा ब्रांड आईटीसी आशीर्वाद आटा ने इस गणेश चतुर्थी एक नया कीर्तिमान रचा है। इस बार उसने गेहूं के दानों पर गणेश मूर्ति का सबसे बड़ा वितरणह्व के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में रिकॉर्ड स्थापित किया। मुंबई के प्रतिष्ठित अंधेरी चा राजा पंडाल में अपने उत्सव अभियान के हिस्से के रूप में, आशीर्वाद ने 10-दिन के उत्सव के दौरान भक्तों को 2000 जटिल रूप से साकार किए गए गेहूं के दाने वितरित किए, जिन पर भगवान गणेश की मूर्ति बनाई गई थी। प्रत्येक साकार किए हुए दाने को एक ऐक्रेलिक डिस्प्ले बॉक्स में प्रस्तुत किया गया, जिसमें बिल्ट-इन मैग्नीफाइंग लेंस था, एक दुर्लभ संग्रहणीय वस्तु, जिसने अभियान की भक्ति पूर्ण भावना को बखूबी समेटा। यह पहल आशीर्वाद के इस वर्ष के उत्सव अभियान गेहूं- गेहूं है विशेष, हर गेहूं में है गणेश के अंतर्गत साकार की गई, जिसने गेहूं की शुद्धता और भारतीय घरों में इसकी गहरी सांस्कृतिक महत्ता को हार्दिक श्रद्धांजलि दी। यह केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं था, बल्कि आशीर्वाद के मूल विश्वास को दर्शार्ता है कि गेहूं का हर दाना शुद्धता और भक्ति-योग्य गुणवत्ता का प्रतीक है और जब इसे पीसा जाता है, तो वह आटा बनता है जिसने लाखों घरों का भरोसा जीता है। अपनी शुद्धता के वादे के प्रति सच्चा रहकर, आशीर्वाद जिम्मेदारीपूर्वक स्रोत करता है, उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखता है, और भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को विकसित करता है। मुंबई में, यह प्रतिबद्धता आशीर्वाद की विस्तृत उत्पाद श्रृंखला में दिखाई देती है, जिसमें चक्की प्रीमियम एमपी सेहोरी आटा, चक्की एमपी सेहोरी आटा, चक्की एमपी लोकवान आटा, चक्की खापली आटा और ऑर्गेनिक आटा शामिल हैं। प्रत्येक वेरिएंट उपभोक्ताओं तक सर्वोत्तम अनाज पहुंचाता है, जिससे स्थानीय पसंद के अनुसार उच्च-गुणवत्तापूर्ण आटा सुनिश्चित होता है, चाहे वह मुलायम और फुलाए हुए रोटियों के लिए हो या पौष्टिक, विचारशील विकल्पों के लिए।

तहसीलदार सहित 18 पर धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचना के दर्ज मुकदमे में तीन गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना पुलिस ने क्षेत्र के कुशहां बाजार स्थित बेशकीमती भूमि कूटरचित ढंग से हड़पने के मामले में दीवानी न्यायालय के आदेश पर बदलापुर के तत्कालीन तहसीलदार राकेश कुमार सहित 18 आरोपितों के विरुद्ध धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचना आदि धाराओं में दर्ज मुकदमे में 3 आरोपितों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। कुशहां गांव के स्व. राम निहोर मौर्य की पत्नी सोम्मारी ने दीवानी न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था कि गांव की बाजार में लबे सड़क स्थित मेरी भूमि आराजी नंबर- 216 (क) रकबा 0.0820 हेक्टेयर को हड़पने की नीयत से 13 जनवरी 2025 को सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के गोनौली निवासी देवेंद्र उर्फ धर्मेंद्र उर्फ पप्पू, मल्लूपुर निवासी मुरलीधर उनकी पत्नी इंद्रावती देवी, पुत्र राज कुमार, कछौरा निवासी राम कृपाल, छंगू, छद्दू लाल, रमेश, राजेश, सुरेश, अवधेश, राज कुमार, अजय, मुन्नी लाल, संतोष, सोनू, बृजेश व रूपेश कब्जा करने लगे। खबर लगने पर मैं पहुंची और मना किया तो देवेंद्र उर्फ पप्पू ने गाली देते कहा भूमि मैंने उपरोक्त लोगों के नाम वरासत करा दिया हूं। इतना ही नहीं पांच जून 2024 का तहसीलदार राकेश कुमार का आदेश भी दिखाया। आदेश की कापी लेकर मैं तहसीलदार के पास पहुंची तो उन्होंने आठ जुलाई 1980 के बैनामे के आधार पर उपरोक्त लोगों का नाम दर्ज करने की बात कहते हुए डांटकर भगा दिया। जब मैंने मुआयना कराया तो पता चला कि 1980 में ऐसा कोई बैनामा ही नहीं हुआ था। मेरे ससुर रामदीन ने सिर्फ एक हजार वर्ग फीट भूमि का बैनामा किया था। पीड़िता थाने से लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक चक्कर लगाती रही। कहीं सुनवाई नहीं हुई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। आरोपितों में से देवेंद्र उर्फ धर्मेंद्र उर्फ पप्पू, बृजेश व छद्दू लाल को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। विवेचक उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि शेष आरोपितों की भी तलाश की जा रही है।

स्नेहा दुबे ने आत्मनिर्भर भारत कार्यशाला में दर्ज की सक्रिय भागीदारी

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत आज भाजपा केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में एक भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से आए जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की। इस विशेष अवसर पर अभियान की दिशा, योजनाओं की रणनीति और जनसंपर्क के प्रभावी माध्यमों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने की, जबकि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद अरुण सिंह ने भी अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। महाराष्ट्र राज्य से वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भी इस कार्यशाला में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। उनके साथ आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की राज्य समन्वयक एडवोकेट माधवी ताई नाइक, विधायक विक्रम पचपुते, विधायक अमोल महादिक, विधायक प्रताप अडसड सहित अनेक गणमान्य नेता उपस्थित थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना और समाज के हर वर्ग तक इसके लाभ पहुँचाना रहा।

ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का बड़ा योगदान: कर्नल विनोद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, आईपीपीबी की आठवीं वर्षगांठ बड़े ही सम्मान और उपलब्धियों के साथ मनाई और इस अवसर पर वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्ट मास्टर जनरल कर्नल विनोद कुमार को आईपीपीबी के वाराणसी प्रमुख शैलेश सिंह ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। आईपीपीबी की प्रमुख उपलब्धियाँ इस वर्ष की तारीफ करते हुए कर्नल विनोद ने बताया कि कुल तेरह लाख से अधिक नए खाते खोले गए, जो भारत में वित्तीय समावेशन की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि ?207 करोड़ करंट अकाउंट सेविंग अकाउंट (कासा बैलेंस), जो ग्राहकों के भरोसे और बैंक की सेवाओं की मजबूती को दशार्ता है।अतुल कुमार सहायक निदेशक ने बताया कि 1,30,386 ग्राहकों का मोबाइल नंबर आधार से उएछउ के माध्यम से लिंक किया गया, जिससे डिजिटल सेवाओं की पहुंच और आसान हुई। परमानंद सहायक निदेशक ने बताया कि 293 करोड़ की डीबीटी राशि वितरित की गई जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुँचा। कर्नल विनोद ने कहा कि इन उपलब्धियों के पीछे न सिर्फ बैंक की मेहनत है, बल्कि ग्राहकों का अटूट विश्वास और सहयोग भी है। इस अवसर पर सुश्री पल्लवी ने कहा कि यह जश्न सिर्फ एक बैंक की वर्षगांठ नहीं, बल्कि एक मिशन की सफलता है जिसमें हर भारतीय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने का जिसे आईपीपीबी साकार करने में सक्षम है।कर्नल विनोद ने कहा कि इंडिया पोस्ट अपने विश्व के सबसे बड़े नेटवर्क के साथ मिलकर भारत में वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण सहयोग करता रहेगा।

नालासोपारा या विरार में अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय को की मांग

वसई रोड। वसई तालुका में तेजी से बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए, राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नालासोपारा या विरार में अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय शुरू करने की घोषणा की है। यह घोषणा राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने की, जो भाजपा विधायक राजन नाईक की मांग पर आधारित है।

मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता खुद राजस्व मंत्री बावनकुले ने की और कोंकण क्षेत्र से संबंधित विविध मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक भी उपस्थित थे।

नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग पूरी

राजन नाईक ने बैठक में बताया कि वर्तमान में वसई स्थित तहसील कार्यालय नालासोपारा और विरार जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से काफी दूर है। ऐसे में नागरिकों को दस्तावेजी कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने नालासोपारा या विरार में एक अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय खोलने की जोरदार मांग रखी थी। इस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को वर्ष के अंत तक कार्यालय शुरू करने के निर्देश दिए हैं। श्रेणी-2 भूमि नीति में संशोधन की मांग

विधायक नाईक ने यह भी मांग की कि श्रेणी-2 की भूमि पर बने भवनों को बिना किसी मुआवजे के श्रेणी-1 में स्थानांतरित किया जाए और पुनर्विकास की प्रक्रिया के लिए 7/12 दस्तावेज सोसायटी के नाम पर हस्तांतरित किए जाएं। इस पर राजस्व मंत्री ने नीति में आवश्यक बदलाव कर सोसायटियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

वसई खाड़ी से गाद हटाने का सर्वेक्षण

प्रत्येक वर्ष मानसून में वसई-विरार क्षेत्र में आने वाली बाढ़ की समस्या को ध्यान में रखते हुए, वसई खाड़ी से गाद हटाने के लिए सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए माननीय जिलाधिकारी और मुंबई मैरीटाइम बोर्ड को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

विरार के शत्रु संपत्ति क्षेत्र में बनी इमारतों पर विशेष नीति

विरार (पूर्व) स्थित जीवदानी मंदिर की तलहटी में शत्रु संपत्ति पर बने आवासीय परिसरों के लिए केंद्र सरकार के सहयोग से एक विशेष नीति बनाई जाएगी, ताकि वहां रह रहे लोगों को कानूनी सुरक्षा और सुविधाएं मिल सकें।

अनधिकृत इमारतों के निवासियों के लिए अलग नीति

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कोंकण संभागीय आयुक्त और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे कि वे अनधिकृत इमारतों में रह रहे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए उनके नाम पर 7/12 दस्तावेज दर्ज करने के लिए एक अलग नीति तैयार करें। यह संपूर्ण जानकारी भाजपा वसई विरार जिला महासचिव मनोज बारोट ने मीडिया को दी।

सहायक अध्यापक पर लूटपाट में असफल बदमाशों ने किया जानलेवा हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरूवार को स्कूल से वापस घर जा रहे शिक्षक को बाइक सवार बदमाशों ने छिनैती की नियत से ओवरटेक कर रोक लिया। छिनैती में असफल होने पर बदमाशों ने उनकी जमकर पिटाई कर दी। पिटाई से शिक्षक को काफी चोटें आयी है और उनके हाथ की अंगुली टूट गयी। घायलावस्था में उन्हें प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बड़ेरी चौकी अंतर्गत कोहड़ा गांव के पास की है। मछलीशहर थाना क्षेत्र के दाऊदपुर गांव निवासी लालचंद पाल बरसठी ब्लॉक के घनापुर गांव में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक है। वह गुरूवार को रोज की तरह स्कूल की छुट्टी होने के बाद बाइक से अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह कोहड़ा गांव के अर्सी नदी पुलिया के पास पहुँचे सरपत के झुरमुट की आड़ में अपाचे बाइक सवार तीन लोग ओवरटेक कर रोक कर छिनैती का प्रयास किया लेकिन उसमें असफल होने पर शिक्षक की पिटाई करने लगे। शिक्षक बाइक छोड़ चिल्लाते हुए खेत मे कूद गये, आवाज सुनकर आसपास के लोगों को आता देख बदमाश फरार हो गये। शिक्षक ने यूपी 112 नम्बर पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुँची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। रास्ते में जगह जगह लगे सीसीटीवी कैमरे से से फुटेज निकालकर जांच में लगी है। इस सम्बंध में चौकी इंचार्ज बड़ेरी विनोद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि शिक्षक पर डंडे से हमला हुआ है, लेकिन कोई छिनैती नही हुई है। जांच की जा रही है कि उनकी छिनैती की नियत थी या किसी से दुश्मनी तो नही है। सभी बिदुओं पर जाँच की जा रही है। शिक्षक नेता ने घटना पर जताया आक्रोश बरसठी। मछलीशहर क्षेत्र के दाऊदपुर निवासी जूनियर विद्यालय के शिक्षक लालचंद पाल के ऊपर शुक्रवार को बदमाशों द्वारा किए गए जानलेवा हमले से जिले भर के शिक्षकों में आक्रोश फैल गया। उत्तर प्रदशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी की अति आवश्यक बैठक शुक्रवार की शाम जौनपुर स्थित कैंप कार्यालय में हुई इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने अपने शिक्षक साथी के साथ हुए जानलेवा हमले और छिनैती के असफल प्रयास की घटना की कड़ी निंदा की। कहां की जिले में अब शिक्षक समाज पूरी तरह से असुरक्षित हो गया है । शिक्षक भाई और बहनों के साथ स्कूल आते और जाते कब कौन सी घटना हो जाए कोई सुनिश्चित नहीं है। अभी चंद दिन पहले ही अपने शिक्षक साथी संतोष यादव को गोली मारकर हुई लूट की घटना का पदार्फाश हुआ इधर एक और वारदात हो गई। जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने कहा कि बरसठी थाना पुलिस अगर इस मामले का जल्द खुलासा नहीं करती तो हम लोग चार दिन बाद पुलिस अधीक्षक से मिलकर मामले में ज्ञापन देंगे।